mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-71 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

12 सितम्बर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

कंधे की चोट के कारण

@ पेज 7

भारत की मांग–रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती रोकें

पुराने फौजी भी छोड़ें; सरकार जनता से बोली- ऑफर से दूर रहें, यह खतरनाक रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने बुधवार को अपने नागरिकों को रूसी सेना में भर्ती होने के किसी भी प्रस्ताव से दूर रहने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पहले भी कई बार चेतावनी जारी की गई है।

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कई भारतीयों को नौकरी के झांसे में फंसाकर सेना में भर्ती किया गया। उन्हें सहायक भूमिकाओं का वादा किया जाता है और असल में उन्हें युद्ध क्षेत्र में भेज दिया जाता है। MEA ने दिल्ली और मॉस्को में रूसी अधिकारियों से इस मुद्दे को उठाया है और मांग की है कि इसे रोका जाए और फंसे हुए भारतीयों को रिहा किया जाए।

विदेश मंत्रायलय का ये बयान फतेहाबाद के युवकों ने अपने परिवार को वीडियो भेजे जो खुद यूक्रेन में फंसे हुए हैं।

लालू और तेजस्वी के खिलाफ आरोप पत्र पर फैसला सुरक्षित

नौकरी के बदले जमीन घोटाले का मामला

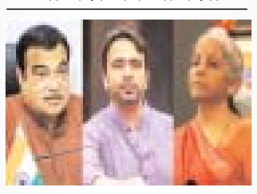

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी के बदले जमीन घोटाले मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और अन्य के खिलाफ नौकरी के बदले जमीन मामले में आरोप पत्र पर फैसला सुरक्षित रखा गया है। सीबीआई ने इस मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। आरोप है कि जमीन के बदले रेलवे में नौकरियां दी गईं। अदालत ने 13 अक्तूबर तक अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था-इससे पहले बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने जमीन के बदले नौकरी मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इससे पहले लालू यादव की इस मांग को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था।

मोदी बोले- भारत-मॉरीशस पार्टनर नहीं, परिवार

काशी में स्वागत में उमड़ी भीड़ देख रामगुलाम ने कहा– आप यूं ही बड़ी जीत दर्ज नहीं करते

वाराणसी, एजेंसी। पीएम मोदी ने वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान पीएम मोदी ने दोनों देशों के संबंधों पर बात करते हुए कहा कि भारत-मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं, एक परिवार है।

प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई जिसमें आर्थिक सहयोग और पर्यटन जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने मॉरीशस और भारत के संबंधों पर बात करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराएं सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचीं और वहां की जीवन पद्धति में रच-बस गईं। द्विपक्षीय वार्ता से पहले पीएम मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ नवीनचंद्र रामगुलाम की उपस्थिति में वाराणसी में भारत और मॉरीशस के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत-मॉरीशस पार्टनर नहीं, बल्कि एक परिवार है-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा, हमारी संस्कृति और परंपराएं सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचीं और वहां की जीवन पद्धति में रच–बस गईं। काशी में मां गंगा की अविरल धारा की तरह, भारतीय संस्कृति का अविरल प्रवाह मॉरीशस को समृद्ध करता रहा है और आज, जब हम मॉरीशस के साथियों का काशी में स्वागत कर रहे हैं, तो यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक मिलन है। इसलिए मैं गर्व से कहता हूं कि भारत और मॉरीशस सिर्फ पार्टनर नहीं बल्कि एक परिवार है।

मॉरीशस और भारत के बीच अहम समझौता

मॉरीशस और भारत के बीच हुए समझौते की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत के बाहर पहला जन औषधि केंद्र अब मॉरीशस में स्थापित किया गया है। आज हमने फैसला किया है कि भारत मॉरीशस में आयुष उत्कृष्टता केंद्र, 500 बिस्तरों वाले सर शिवसागर रामगुलाम राष्ट्रीय (SSRN) अस्पताल और पशु चिकित्सा विद्यालय तथा पशु अस्पताल के निर्माण में सहयोग देगा। हम चागोस समुद्री संरक्षित क्षेत्र, एसएसआर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एटीसी टावर और राजमार्ग एवं रिंग रोड के विस्तार जैसी परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाएंगे। यह पैकेज सहायता नहीं है। यह हमारे साझा भविष्य में एक निवेश है। पिछले साल मॉरीशस में PI और RuPay कार्ड लॉन्च किए गए थे। अब हम स्थानीय मुद्रा में व्यापार को सक्षम बनाने की दिशा में काम करेंगे।

वसुधैव कुटुम्बकम के साक्षात उदाहरण हैं मोहन भागवत

संघ प्रमुख के जन्मदिन पर पीएम मोदी ने लिखा- सौभाग्य हमारे पास उनके जैसा सरसंघचालक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत आज 75 साल के हो चुके हैं. उनके जन्मदिन पर देश के तमाम नेता उन्हें बधाई दे रहे हैं. पीएम मोदी ने भागवत को बधाई देते हुए एक मैसेज लिखा है. इसके साथ ही उन्होंने एक लेख भी लिखा है. इसमें उन्होंने लिखा है कि वे एक असाधारण व्यक्ति हैं, जिन्होंने हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखा है. पीएम ने लिखा कि मोहन जी के परिवार से पुराना संबंध रहा है. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत से प्रेरित होकर, मोहन भागवत जी ने अपना पूरा जीवन सामाजिक परिवर्तन और सद्भाव एवं बंधुत्व की भावना को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित कर दिया है. उनके 75वें जन्मदिन के मौके पर, मोहन जी और उनके प्रेरक व्यक्तित्व पर कुछ विचार लिखे।

मां भारती की सेवा में उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं.- पीएम मोदी ने लिखा आज 11 सितंबर है. यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है. एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्व बंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है, 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई. आज के दिन की एक और विशेष बात है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है. यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है. मैं भागवत जी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

पीएम मोदी ने याद दिलाया संघ प्रमुख से अपना पुराना संबंध

पीएम मोदी ने लिखा कि मेरा मोहन भागवत जी के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है. मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकरराव भागवत जी के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था. मैंने अपनी पुस्तक ज्योतिपुंज में मधुकरराव जी के बारे में विस्तार से लिखा भी है. वकालत के साथ–साथ मधुकरराव जी जीवन भर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे. अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी।

एअर इंडिया ने दिल्ली एयरपोर्ट पर 200+ यात्रियों को उतारा

● सिंगापुर जाने वाली फ्लाइट में दो घंटे बैठे रहे; एसी खराब था, बाद में एयरक्राफ्ट बदला

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में बुधवार रात एअर इंडिया की सिंगापुर जाने वाली फ्लाइट संख्या AI2380 में खराबी आ गई। इसके कारण 200 से ज्यादा यात्रियों को लगभग दो घंटे तक फ्लाइट में बैठाए रहने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर उतार दिया गया। फ्लाइट में मौजूद न्यूज एजेंसी PTI के एक पत्रकार के अनुसार, फ्लाइट का एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बिजली सप्लाई में खराबी थी। इसके बावजूद यात्रियों को फ्लाइट में बैठाया गया। करीब दो घंटे तक पैसेंजर्स गर्मी से परेशान हुए। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में दिखा कि पैसेंजर्स फ्लाइट के अंदर अखबारों और मैगजीन झलकर गर्मी से राहत पाने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद क्रू मेंबर्स ने सभी पैसेंजर्स को बिना कोई कारण बताए फ्लाइट से उतरने के लिए कह दिया।

यात्रियों को बस में बिठाकर वापस टर्मिनल बिल्डिंग ले जाया गया। बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर एयरक्राफ्ट से ऑपरेट होने वाली यह फ्लाइट रात लगभग 11 बजे रवाना होने वाली थी। बाद में, लगभग छह घंटे की देरी से गुरुवार सुबह 5.36 बजे, दूसरे एयरक्राफ्ट से सभी यात्रियों को सिंगापुर भेजा गया।

चोकसी को भारत लाने की प्रक्रिया 15 सितंबर से शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम से भारत प्रत्यर्पण (एक्सट्राडिशन) की कार्यवाही 15 सितंबर को शुरू होगी। ये जानकारी न्यूज एजेंसी PTI ने दी है। चोकसी पर पंजाब नेशनल बैंक के साथ 13,850 करोड़ की धोखाधड़ी करने का आरोप है। मामले की सुनवाई बेल्जियम के फेडरल कोर्ट में होगी। इसमें भारत की ओर से CBI और विदेश मंत्रालय (MEA) के वकील अपना पक्ष रखेंगे। 8 सितंबर को भारत ने बेल्जियम को लिखित गारंटी दी है। केंद्र ने बेल्जियम सरकार को एक लेटर में बताया था कि चोकसी को मुंबई के आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा। वहां एक कोठरी में 6 लोगों के रहने की क्षमता है।

लेटर में कहा गया कि अगर चोकसी को बेल्जियम से भारत लाया जाता है तो उसके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्रियों ने संपत्तियों का ब्योरा दिया

गडकरी के पास 31 साल पुरानी एम्बेसडर कार

जयंत चौधरी ने 21 लाख क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट किए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रियों ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी संपत्तियों का ब्योरा दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) की वेबसाइट पर जारी जानकारी के मुताबिक मंत्रियों के पास क्रिप्टोकरेंसी, सोने-चांदी के जेवर, म्यूचुअल फंड और हथियार जैसी चीजें भी संपत्ति में शामिल हैं। परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 31 साल पुरानी एम्बेसडर कार समेत तीन गाड़ियां और 37 लाख रुपए से ज्यादा की सोने की ज्वेलरी घोषित की है। उनकी पत्नी कंचन नितिन अधिकारी के पास 28 लाख रुपए से ज्यादा की सोने की ज्वेलरी है।कौशल विकास राज्य मंत्री और राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने 31 मार्च 2025 तक 21.31 लाख रुपए की क्रिप्टो इन्वेस्टमेंट घोषित की है। उनकी पत्नी चारु सिंह के पास 22.41 लाख रुपए की डिजिटल एसेट्स हैं।

जयंत चौधरी ऐसे इकलौते मंत्री हैं जिन्होंने क्रिप्टोकरेंसी को अपनी संपत्ति में शामिल किया है। भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर अभी स्पष्ट नियम नहीं हैं। रिजर्व बैंक कई बार वर्चुअल करेंसी के जोखिमों को लेकर चेतावनी दे चुका है।

सीतारमण के पास 27 लाख की ज्वेलरी : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 27 लाख की ज्वेलरी, 19 लाख के म्यूचुअल फंड बताए हैं। राव इंदरजीत सिंह ने 1.2 करोड़ से ज्यादा की 1,679 ग्राम सोने की ज्वेलरी, 10 किलो चांदी-हीरे की ज्वेलरी घोषित की।

वीरेंद्र कुमार के पास 37 साल पुराना स्कूटर : सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने 37 साल पुराना स्कूटर और एक रिवॉल्वर अपनी संपत्ति में बताया है। रेल और फूड प्रोसेसिंग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने 1997 मॉडल की मारुति कार घोषित की है।

सावित्री ठाकुर के पास डबल बैरल गन : महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने रिवॉल्वर, राइफल, ट्रैक्टर और करीब 1 करोड़ रुपए के म्यूचुअल फंड बताए हैं। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने डबल बैरल गन, रिवॉल्वर और 67 लाख रु. से ज्यादा की सोने की ज्वेलरी घोषित की है।

शिवराज सिंह के पास रिवॉल्वर :केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पास 8.98 करोड़ की संपत्ति है। उनके पास 1 रिवॉल्वर, 1 पुरानी एंबेसडर कार है।

राजस्थान में 350 फैक्ट्रियों पर लग सकते हैं ताले,अमेरिकी टैरिफ से 200 करोड़ का ऑर्डर रुका

वूलन और यार्न इंडस्ट्री 70प्रतिशत तक घटी

बीकानेर, एजेंसी। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ से बीकानेर सहित राजस्थान की वूलन और यार्न (सूत) इंडस्ट्री कमजोर पड़ गई है। फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर हैं। एक से सवा लाख मजदूर और भेड़ पालकों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

कारोबारियों का कहना है- टैरिफ के कारण प्रदेश में 1200 करोड़ की इंडस्ट्री का आकार घटना शुरू हो गया है। 150 से 200 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर चले गए हैं। अगर सॉल्यूशन नहीं निकला तो एक साल के भीतर इंडस्ट्री 70 फीसदी तक खत्म हो जाएगी। राजस्थान की वूलन और यार्न इंडस्ट्री की 70 फीसदी खपत अमेरिका में होती है। जिस तरह से भारतीय घरों में टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन जरूरी है, उसी तरह अमेरिका में कालीन जरूरी सामान है। वहां लोग इसे फर्श और दीवारों पर लगाते हैं। राजस्थान वूलन इंडस्ट्री एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल कल्ला ने बताया कि बीकानेर, ब्यावर और भीलवाड़ा सहित प्रदेशभर में सवा लाख लोग है, जो वूलन और यार्न इंडस्ट्री से जुड़े है। इनमें सर्वाधिक संख्या मजदूरों की है। भेड़ मालिकों की भी बड़ी तादाद है।

अमेरिकी टैरिफ का असर सिर्फ फैक्ट्री मालिक पर नहीं पड़ रहा है। लेबर के लिए रोजी-रोटी का संकट आ जाएगा। अगर ऑर्डर 30 प्रतिशत रहेगा, तो 70 प्रतिशत लेबर भी कम हो जाएगी।

बीकानेर में हर रोज 2 से ढाई लाख किलो यार्न बनती है। अब ये आधा हो गया है। इसे भी स्टॉक किया जा रहा है। फिलहाल लेबर एक्सेस है, इसलिए उसे रोक कर काम करवा रहे हैं।

350 यूनिट्स पर मंडरा रहा खतरा :बीकानेर सहित राजस्थान में करीब 350 यूनिट्स में भेड़ के बालों से धागा बनाने का काम होता है। इसी धागे से कालीन तैयार होता है। 50 फीसदी टैरिफ के बाद अमेरिका से कालीन के ऑर्डर लगभग बंद हो गए हैं। इससे उत्तर प्रदेश के भदोही सहित देशभर में कालीन उद्योग सकंट में आ गया है। इसी का सीधा असर बीकानेर और ब्यावर में भी दिखाई दे रहा है।

भारतीय सामानों पर 27 अगस्त को अमेरिका ने 50% टैरिफ लगा दिया। इसका असर अब उन भारतीय कारोबार पर दिखने लगा है, जिनका माल अमेरिका एक्सपोर्ट होता था। टैरिफ लगने से भारत के प्रोडक्ट महंगे हो गए। लिहाजा अमेरिकी बाजार में उनकी डिमांड कम होना तय है। एक्सपोर्ट रुकने से प्रोडक्शन घटेगा। इससे रोजगार पर संकट आ रहा है।

दिल्ली-म.प्र.सहित 4 राज्यों से 5 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

● आईईडीबनाने वाले सामान बरामद ● सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और सेंट्रल एजेंसियों ने टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना और मध्यप्रदेश से 5 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी स्पेशल सेल के ACP प्रमोद सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। पुलिस ने बताया, झारखंड से दो, दिल्ली से एक, तेलंगाना से एक और मध्यप्रदेश से एक संदिग्ध को अरेस्ट किया गया है।

संदिग्ध आतंकियों के पास से सल्फर पाउडर, सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सोडियम बाइकार्बोनेट, बॉल बियरिंगस और सेफ्टी ग्लास, रेस्पिरेटरी मास्क, सर्किट वायर, मदर बोर्ड, लैपटॉप और हथियार मिले हैं। ये सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे।

पुलिस ने बताया, लीडर का नाम गजवा था : ACP प्रमोद सिंह कुशवाहा ने बताया, ये लोग एक पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में थे। उसने इन्हें खिलाफत मॉडल अपनाने को कहा था। इन्हें हमलों के एक ठिकाना खोजना था। इसके अलावा और लोगों भी इससे जोड़ने का टास्क दिया गया था।

टीम के लीडर दानिश को गजवा नामा दिया गया। उसका कोड नेम था CEO ये लोग इस काम को प्रोफेशनली अंजाम दे रहे थे। ये पांचों लोग 20 से 25 साल के हैं। दानिश झारखंड से था। इसी ने बाकी लोगों को जोड़ा था। इसके बाद आफताब अंसारी था। ये मुंबई का रहने वाला है। मीट बेचने का काम करता था।

आफताब को टारगेटेड किलिंगस का काम दिया गया था। ये जब दिल्ली से वापस जाने वाला था तब इसे और इसके साथी सूफियान को अरेस्ट किया गया। इनके एक और साथी कामरान कुरैशी को मध्य प्रदेश के रायगढ़ से पकड़ा गया और एक पांचवे आदमी हुजेफा को तेलंगाना में निजामाबाद से अरेस्ट किया गया।

सोशल मीडिया के जरिए युवाओं की भर्ती करते थे दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध आतंकी भारत में बड़े आतंकी हमले को अंजाम देने की फिराक में थे। वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल भारत में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें अपने नेटवर्क में भर्ती करने के लिए करते थे।

14 दिन पहले बिहार में घुसे थे 3 पाकिस्तानी आतंकी :बिहार में 28 अगस्त को नेपाल के रास्ते 3 पाकिस्तानी आतंकियों ने घुसपैठ की खबर सामने आई थी। पुलिस मुख्यालय ने तीनों की फोटो रिलीज की थीं। सभी के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की खबर है। पुलिस ने जिन आतंकियों की फोटो जारी की है, उनके नाम हसनैन अली, आदिल हुसैन और मोहम्मद उस्मान हैं।

राजधानी के 799 स्कूलों में पानी–बिजली संकट, शिक्षा विभाग की रिपोर्ट में खुलासे के बाद सुधार का निर्देश

नई दिल्ली एजेंसी । दिल्ली सरकार ने शहर के 799 स्कूलों में पानी और बिजली की कमी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सुधार का निर्देश जारी किया है। शिक्षा विभाग की हालिया रिपोर्ट में इन स्कूलों में बुनियादी ढांचे की गंभीर समस्याओं का खुलासा हुआ है, जो स्कूलों के दैनिक कामकाज को प्रभावित कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, 703 स्कूलों में से 59 में पानी की आपूर्ति रुक–रुक कर हो रही है, 48 में अनियमित या बिल्कुल नहीं है और 10 स्कूलों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद है। इनमें से कई स्कूल टैंकरों या सबमर्सिबल पंपों पर निर्भर है, जिससे पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। इसके अलावा, 22 स्कूल पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हैं और 64 स्कूल बोरवेल का उपयोग कर रहे हैं।

बिजली के मोर्चे पर, 6 स्कूलों में बिजली आपूर्ति नहीं है, जबकि 17 स्कूलों में बार–बार बिजली कटौती की समस्या है। शिक्षा विभाग ने उप निदेशकों (डीडीई) को इन समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए है। जिन स्कूलों में डीजेबी कनेक्शन नहीं है, उन्हें तत्काल आवेदन करने के लिए कहा गया है।

टैंकर पर निर्भर स्कूलों के लिए नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने और बोरवेल वाले स्कूलों में पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग करने का आदेश दिया गया है। बिजली कटौती से प्रभावित स्कूलों के लिए डिस्कॉम के साथ मिलकर निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और सौर पैनल की व्यवहार्यता जांचने की सिफारिश की गई है।

परिसर साझा करने वाले स्कूलों के लिए अलग मीटरिंग की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। विभाग ने सभी डीडीई को 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है, जिसमें स्कूल–वार कार्रवाई का विवरण होगा। एक अधिकारी ने बताया कि सरकार इन समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि स्कूलों में पढ़ाई का माहौल प्रभावित न हो।

शर्मनाक है कि दिल्ली सरकार टिन शेड वाले स्कूल चला रही है - हाईकोर्ट दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को राजधानी के कुछ सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत पर चिंता जताई और दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने कहा, हम 2025 में हैं और सरकार अब भी टिन शेड वाले स्कूल चला रही है, जहां छात्रों की सुरक्षा खतरे में है। न दीवारें हैं, न उचित डेस्क और ब्लैकबोर्ड। याचिका में सर्वोदय कन्या विद्यालय जीनत महल, कमला मार्केट और अशोक नगर स्थित स्कूलों में टिन शेड क्लासरूम की समस्या उठाई गई। करीब 1400 छात्र यहां गर्मी में असहनीय तापमान और बरसात में रिसाव झेलते हैं। कोर्ट ने कहा कि यह शिक्षा के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है और निजी स्कूलों से प्रतिस्पर्धा में बाधा है। सरकार के स्थायी वकील ने एक सप्ताह का समय मांगा, जिस पर कोर्ट ने उन्हें खुद स्कूलों का दौरा करने को कहा। अदालत ने विकलांग छात्रों के लिए विशेष सुविधाओं के अभाव पर भी नाराजगी जताई। सुनवाई की अगली तारीख 17 सितंबर तय की गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव को लेकर बुधवार को नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया समाप्त हो गई। डूसू के चार पदों के लिए 50 से अधिक नामांकन प्राप्त हुए। हालांकि, सत्यापन के बाद 73 नामांकन वैध मिले। इसमें सबसे अधिक 21 नामांकन अध्यक्ष पद के लिए, सचिव पद के लिए 20, संयुक्त सचिव के लिए 17 और उपाध्यक्ष पद लिए 15 नामांकन मिले।

आंदोलन के अराजकता में बदलने पर भारत चिंतित, उठा रहा ये कदम; अन्य पड़ोसियों से ज्यादा महत्वपूर्ण नेपाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पड़ोसी देश नेपाल में जेन-जी आंदोलन से हालात में आए अचानक बदलाव से भारत बेहद चिंतित है। भारत की पहली कोशिश आंदोलन की आड़ में वहां भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के सभी संभावित प्रयासों पर लगाम लगाना है। भारत खासकर आंदोलन के नेतृत्वविहीन होने के साथ अराजक हो जाने से ज्यादा चिंतित है। भारत को लगता है कि नई सरकार के गठन या वैकल्पिक व्यवस्था बनने के बाद ही वहां शांति बहाली की कोशिश परवान चढ़ेगी। सरकारी सूत्रों का मानना है कि पड़ोस में उथल-पुथल के कारण भारत के चिंतित होने के कई कारण हैं। इससे पहले बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ इसी प्रकार शुरू हुआ आंदोलन में भारत विरोधी मानसिकता की घुसपैठ हुई। श्रीलंका एवं मालदीव में भी भारत-विरोधी भावनाएं भड़काई गई। हालांकि श्रीलंका में वैकल्पिक राजनीतिक व्यवस्था के आने

और मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू के रुख में बाद में आए बदलाव से परिस्थितियां भारत के पक्ष में बनीं। अफगानिस्तान से भी नाटो की विदाई के बाद तालिबान में भारत-विरोधी भावना कूट-कूट कर भरी थी। हालांकि अब उसके रुख में भी परिवर्तन आया है।

सरकारी सूत्र का कहना है, बांग्लादेश की तरह नेपाल में युवाओं के आंदोलन का कोई चेहरा नहीं है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ यह आंदोलन हिंसक होने के साथ अराजकता में तब्दील हो गया। जिस तरह से आंदोलन के दूसरे दिन लूटपाट शुरू हुई और पूरा आंदोलन अनियंत्रित हो गया, उससे आंदोलन की आड़ में भारत-विरोधी भावना भड़काने की आशंकाएं पैदा हुई। नेपाल में पहले से वाम विचारधारा और दलों से एक वर्ग भारत-विरोधी भावनाओं के सहारे अपने सियासी हित साधता रहा है। दूसरे देशों से नेपाल ज्यादा महत्वपूर्ण

नेपाल की तुलना भारत के अन्य पड़ोसी देशों से नहीं की जा सकती। इसका सबसे बड़ा कारण दोनों देशों के बीच 1,751 किलोमीटर की खुली सीमा और दोनों देशों के नागरिकों का एक-दूसरे देश में निर्बाध आना जाने की व्यवस्था के साथ परस्पर नागरिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध बेहद गहरे हैं। इतना ही नहीं, नेपाल के नागरिक भारतीय सेना में भी हैं।

भारत को करीबी नजर रखने की जरूरत

नेपाल में अराजकता के बीच विदेश मामलों के जानकारों ने भारत के पड़ोसी देशों में उथल–पुथल पर गहरी चिंता जताई है। कई पूर्व राजदूतों ने सरकार को आगाह किया कि भारत को पड़ोस की स्थिति पर करीबी नजर रखनी चाहिए, क्योंकि बदलते हालात अच्छे संकेत नहीं दे रहे। वरिष्ठ राजनयिक वेणु राजामणि ने कहा कि नेपाल में जो हो रहा है वह न सिर्फ चौंकाने वाला है, बल्कि चिंताजनक भी है। यह श्रीलंका और बांग्लादेश में हुई घटनाओं के बाद हुआ है। इस लिहाज से, पड़ोसी देशों में अस्थिरता की कई घटनाएं हुई हैं, जिसके कारण शासन व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गईं और उनके नेता भाग गए हैं। नीदरलैंड में राजदूत रह चुके राजामणि और अन्य कई राजदूतों ने सुझाव दिया कि भारत को नेपाल की स्थिति पर सावधानीपूर्वक नजर रखनी चाहिए, क्योंकि इसका हमारे हितों पर बहुत प्रभाव पड़ेगा। भारत के दो प्रमुख थिंक टैंक, ऑब्जर्वर रिसर्च फाऊंडेशन (ओआरएफ) और इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस आईडीएसए (आईडीएस) ने नेपाल में अमेरिका की भूमिका को प्रत्यक्ष हस्तक्षेप की बजाय रणनीतिक उपस्थिति बढ़ाने की कोशिश बताया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अकोला दंगा की जांच करने के लिए गठित की एसआईटी

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र के अकोला में 2023 में हुए दंगे की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है, जिसमें हिंदू और मुस्लिम समुदायों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। जस्टिस संजय कुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया।

न्यायालय ने कहा कि एक बार कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो वो हर किस्म के पक्षपात से ऊपर उठकर अपना कर्तव्य पूरा करता है चाहे वो धर्म का हो या जाति का हो। दरअसल, अकोला दंगे के एक कथित चश्मदीद गवाह दंगे के समय घायल हो गया था। उसने बांबे उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर एसआईटी के गठन की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता ने पुलिस प्रशासन से इसके लिए कोई

संपर्क नहीं किया और मामले में चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। उच्च न्यायालय ने कहा कि इस मामले में कोई भी पीड़ित पक्ष ने याचिका दायर नहीं किया जिसके बाद उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई। दरअसल, मई 2023 में पैगम्बर मोहम्मद पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर अकोला में सांप्रदायिक दंगा भड़क गया था। इस दंगे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी थी और याचिकाकर्ता घायल हुआ था। घटना के समय याचिकाकर्ता नाबालिग था।

18 सितंबर को होगा चुनावः डूसू चुनाव के लिए कई उम्मीदवारों ने चारों पदों पर नामांकन किया। इन 73 वैध नामांकन में 15 नामांकन महिलाओं के शामिल है। डूसू चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. राज किशोर शर्मा ने बताया कि नामांकन वापस लेने का बृहस्पतिवार आखिरी दिन है।

त्योहारों में भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे चलाएगा विशेष गाड़ियां

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगामी त्योहारों पर उत्तर रेलवे ने विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है।

उत्तर रेलवे के अनुसार पुणे जंक्शन से हजरत निजामुद्दीन के बीच साप्ताहिक त्योहार स्पेशल 26 सितंबर से 28 नवम्बर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलाई जाएगी। इसके तहत ट्रेन संख्या 01491 पुणे से शाम 5.30 बजे चलेगी और अगले दिन रात 8 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01492 हजरत निजामुद्दीन से 27 सितंबर से 29 नवम्बर तक प्रत्येक शनिवार को रात 9.25 बजे चलेगी और अगले दिन रात 11.55 बजे पुणे पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, उधना, सूरत, वडोदरा, रतलाम, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज

मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर और मथुरा स्टेशनों पर होगा।

इसी प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से गोरखपुर के बीच दैनिक त्योहार स्पेशल 26 सितंबर से 30 नवम्बर तक चलेगी। ट्रेन संख्या 01079 सीएसएमटी से रात 10.30 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 10 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। गोरखपुर से ट्रेन संख्या 01080, 28 सितंबर से 2 दिसम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे चलेगी और तीसरे दिन तड़के 12.40 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। इसका ठहराव दादर, ठाणे, कल्याण, नाशिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, इटारसी, भोपाल, झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा और बस्ती समेत कई स्टेशनों पर रहेगा। दोनों गाड़ियों में वातानुकूलित, शयनयान और साधारण श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे।उम्मीदवार दोपहर 12 बजे तक नामांकन वापिस ले सकेंगे। उसके बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची बृहस्पतिवार शाम पांच बजे ही जारी कर जाएगी। डूसू चुनाव 18 सितंबर को होगा।

पिछले माह ईरान और पाकिस्तान से 2,38,700 अफगान वापस लौटे

काबुल (अफगानिस्तान) एजेंसी। अफगानिस्तान शरणार्थी समाधान आयोग ने कहा कि पिछले महीने ईरान और पाकिस्तान से 2,38,700 अफगान वापस लौटे हैं। आयोग के प्रवक्ता अहमदुल्लाह वसीक ने पिछले दिनों जारी बयान में कहा,अफगानों की जबरन वापसी जारी है और सिर्फ एक महीने में 2,38,700 लोग वापस आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उनके पुनर्वास का इंतजाम कर रही है।

द काबुल टाइम्स की रिपोर्ट में प्रवक्ता के हवाले से बताया गया कि कई लोग अब इस्लामिक अमीरात से आश्रय, रोजगार, बच्चों की शिक्षा और खोई हुई संपत्ति के लिए सहायता सहित

अपनी तत्काल जरूरतों को पूरा करने का आग्रह कर रहे हैं।

आयोग ने आश्वासन दिया कि प्रमुख क्षेत्रों में वापस लौटने वालों के लिए सेवाओं और सहायता में सुधार के प्रयास जारी हैं।पड़ोसी देशों, विशेष रूप से ईरान और पाकिस्तान से अफगान प्रवासियों और शरणार्थियों की बड़े पैमाने पर वापसी के बाद से इस्लामिक अमीरात ऑफ अफ़गानिस्तान ने उनकी तत्काल और दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कई उपाय किए हैं।

कमला हैरिस का पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरिस ने बाइडन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उनका 2024 में दोबारा राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का फैसला अहंकार से भरा हुआ था। यह एक लापरवाह कोशिश थी। बाइडन का दूसरा कार्यकाल लेने का निर्णय कर्तव्य से कम और व्यक्तिगत अहंकार और महत्वाकांक्षा से भरा था। एक संस्मरण में कमला हैरिस ने कहा कि यह जो और जिल का फैसला है। हम सभी ने इसे मंत्र की तरह कहा, मानो हम सभी सम्मोहित हो गए हों। क्या यह अनुग्रह था या यह लापरवाही थी? पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे लगता है कि यह लापरवाही थी। उस वक्त दांव बहुत ऊंचे थे। यह ऐसा विकल्प नहीं था जिसे किसी व्यक्ति के अहंकार या महत्वाकांक्षा पर छोड़ दिया जाना चाहिए था। यह एक व्यक्तिगत निर्णय से कहीं अधिक होना चाहिए था।

बाइडन को मना नहीं कर सकती थी: पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस 2024 के चुनाव में जो बाइडन के स्वास्थ्य कारणों के चलते उम्मीदवारी छोड़ने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं। उन्होंने 107 दिन प्रचार अभियान चलाया था। कमला हैरिस ने अपनी किताब 107 डेज में लिखा है कि मैं बाइडन को दोबारा चुनाव नहीं कह सकती थी।

कहा- दोबारा चुनाव लड़ने का फैसला अहंकार से भरा हुआ था

उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस के सभी लोगों में से मैं यह तर्क देने के लिए सबसे कमज़ोर स्थिति में थी कि बाइडन को चुनाव से हट जाना चाहिए। मुझे पता था कि अगर मैंने उन्हें चुनाव न लड़ने की सलाह दी तो यह उनके लिए बेहद स्वार्थी कदम होगा। वे मेरी गलत महत्वाकांक्षा और बेवफाई मानेंगे, भले ही मेरा एकमात्र संदेश यही था- दूसरे को जीतने मत दो।

बाइडन के कर्मचारियों ने मेरा समर्थन नहीं किया: हैरिस ने कहा कि चुनाव के दौरान बाइडन के कर्मचारियों ने मेरा समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनकी सोच शून्य-योग वाली थी। अगर वह चमक रही हैं, तो वह मंद पड़ गए हैं। उनमें से किसी ने भी यह नहीं समझा कि अगर मैंने अच्छा किया तो उन्होंने भी अच्छा किया। उनकी उम्र को लेकर चिंताओं को देखते हुए उनके उपराष्ट्रपति के रूप में मेरी प्रत्यक्ष सफलता महत्वपूर्ण थी। यह मुझे चुनने के उनके निर्णय का प्रमाण होगा और यह आश्वासन भी कि अगर कुछ हुआ तो देश सुरक्षित हाथों में है। मेरी सफलता उनके लिए महत्वपूर्ण थी।

उन्होंने बाइडन की कमज़ोरी छिपाने की बड़ी साजिश के दावों को खारिज कर दिया और पूर्व राष्ट्रपति को लंबे अनुभव और गहरे विश्वास वाला एक चतुर व्यक्ति बताया, जो राष्ट्रपति के कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम है। उन्होंने लिखा कि लेकिन 81 साल की उम्र में, जो थक गए।

अमेरिका में ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क की हत्या, हिल गया देश

वाशिंगटन (अमेरिका),एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी युवा कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या से सारा देश हिल गया। दलगत भावना से ऊपर उठकर शोक में डूबे देश में फिर से बंदूक हिंसा के खिलाफ आवाज भी उठनी शुरू हो गई है। कुछ लोग इसे राजनीतिक हत्या बता रहे हैं। चार्ली किर्क को बुधवार दोपहर यूटा वैली विश्वविद्यालय में टर्निंग पॉइंट यूएसए कार्यक्रम के दौरान गोली मारी गई। लहूलुहान चार्ली को बचाया नही जा सका। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया।

संयुक्त राज्य अमेरिका के हर-छोटे बड़े सूचना संचार माध्यम में चार्ली की मौत को महत्व दिया गया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, चार्ली की मौत की सूचना मिलते ही राष्ट्रपति ट्रंप अवाक रह गए। कुछ देरतक उनके आसपास सन्नाटा पसरा रहा। पूरी पड़ताल के बाद उन्होंने दोपहर बाद ट्रुथ सोशल पर उनके निधन की घोषणा की। ट्रंप ने किर्क को महान बताते हुए लिखा,अमेरिका में युवाओं के दिल को चार्ली से बेहतर कोई नहीं समझ सकता था। सभी उन्हें प्यार करते थे। उन्होंने कहा कि वह चार्ली को कभी भुला नहीं पाएंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने सूचना मिलते ही व्हाइट हाउस के अधिकारियों को सच्चाई पता करने के लिए यूटा वैली विश्वविद्यालय भेजा गया। वहां हर कोई सदमे में दिखा। विश्वविद्यालय के अधिकारी 31 वर्षीय किर्क की मौत से आहत थे। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने उनसे बातकर ट्रंप को अनहोनी की सूचना दी।

■ व्हाइट हाउस में झंडा आधा झुकाया गया

किर्क की मृत्यु की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस के ऊपर लगे झंडों को आधा झुका दिया गया। राष्ट्रपति के बेटे एरिक ट्रंप ने भी कहा कि पिता की सभी संपत्तियों पर झंडे आधे झुके रहेंगे।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टर्निंग पॉइंट के सह संस्थापक किर्क बाहरी लोगों से जुड़ी सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं के बारे में बोल रहे थे, तभी अज्ञात बंदूकधारी ने उन्हें निशाना बनाया और गोली उनकी गर्दन को चीरती हुई बाहर निकल गई। अपने मोबाइल फोन पर कार्यक्रम के वीडियो बना रहे लोग अचानक गोली चलने से सकते में आ गए। मगर तब तक चार्ली को गोली लगने का दृश्य सैकड़ों मोबाइल फोन पर कैद हो चुका था। इसके बाद इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। उसे देखकर लोग रो पड़े।

राष्ट्रपति ट्रंप के कट्टर विरोधी और डेमोक्रेट कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इस साल अपने पॉडकास्ट पर किर्क की मेजबानी की थी। उन्होंने किर्क की हत्या की निंदा की। न्यूसम ने एक्स पर लिखा,चार्ली किर्क पर हमला घृणित, घिनौना और निंदनीय है। संयुक्त राज्य अमेरिका में हमें हर तरह की राजनीतिक हिंसा को रोकना होगा। अनेक डेमोक्रेट्स ने बंदूक संबंधी कड़े नियमों की वकालत की है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक्स पर एक प्रार्थना पोस्ट की,हे प्रभु, उन्हें शाश्वत शांति प्रदान करें। किर्क की गोली लगने के तुरंत बाद भेजे गए एक पुराने संदेश में, उन्होंने सहयोगियों और आलोचकों, दोनों के साथ खुलकर बातचीत करने के लिए किर्क की प्रशंसा की। वेंस ने लिखा, चार्ली कुछ जगहों में वामपंथ और दक्षिणपंथ के बीच खुला और ईमानदार संवाद करते हैं। वह किसी भी सवाल का जवाब देते और सभी से बात करते।

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने एक्स पर एक लंबा, भावपूर्ण संदेश पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि किर्क मेरे लिए एक छोटे भाई जैसे थे। उन्होंने लिखा,ऐसे पल हमें याद दिलाते हैं कि जिंदगी कितनी नाजुक है। हम लोगों को यह बताने के लिए बेताब हैं कि वे हमारे लिए कितने मायने रखते हैं। हम चुपचाप उनकी प्रशंसा नहीं कर सकते। चार्ली जानता था कि उसे प्यार किया जाता है, लेकिन मैं फिर से कहना चाहता हूं, वह मेरे लिए भाई था और मैं उसे हमेशा अपने साथ रखूंगा।

पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक्स पर लिखा-यूटा में हुई गोलीबारी से मैं बहुत व्यथित हूं। डग और मैं चार्ली किर्क और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा,मैं स्पष्ट कर दूं-अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। मैं इस कृत्य की निंदा करती हूं। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अब और हिंसा न हो।

ट्रंप प्रशासन के पूर्व अधिकारी और एक्स के मालिक अरबपति एलन मस्क ने लिखा,वामपंथी हत्या करने वाली पार्टी है। उन्होंने यह संदेश किर्क की मौत की पुष्टि होने से पहले पोस्ट किया। कुछ प्रमुख डेमोक्रेट्स जेमी रस्किन मैरीलैंड, पूर्व प्रतिनिधि गैबी गिफर्ड्स डेमोक्रेटिक-एरिजोना आदि ने बंदूक संस्कृति पर तत्काल बंदिश लगाने की मांग की है। पिछले साल जुलाई में पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में ट्रंप को भी गोली मारी जा चुकी है।

एरिजोना की गवर्नर केटी हॉब्स ने कहा,यह त्रासदी इस बारे में नहीं है कि चार्ली किर्क ने राजनीतिक रूप से किसका समर्थन किया। यह एक पिता, एक पड़ोसी और एक एरिज़ोनावासी की विनाशकारी क्षति के बारे में है, जो इस राज्य को अपना घर कहते थे और जिनका जीवन निरर्थक हिंसा के कारण छोटा पड़ गया।

कनाडा में डेकेयर की खिलड़ी में घुसी कार चपेट में आने से एक मासूम बच्ची की मौत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो के उत्तर में एक डेकेयर की खिड़की से एक एसयूवी के टकराने से एक छोटे बच्चे की मौत हो गई।

हादसा बुधवार को बच्चों को वापस ले जाने से कुछ समय पहले हुआ। यॉर्क क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि मृतक बच्चा सिर्फ डेढ़ साल का था। दुर्घटना में 18 महीने से लेकर तीन साल तक की उम्र के छह अन्य बच्चे घायल हुए हैं। एक की हालत घंटों बाद भी गंभीर बनी हुई है।

ड्राइवर को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर लिया गया: पुलिस ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि ओंटारियो के रिचमंड हिल में योंग स्ट्रीट और नॉटिंघम ड्राइव के पास स्थित डेकेयर के तीन कर्मचारी भी घायल हुए हैं। कॉन्स्टेबल केविन नेब्रीजा ने कहा कि 70 वर्षीय एक ड्राइवर को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को नहीं लगता कि यह जानबूझकर किया गया कृत्य था।

सभी बच्चों का पता लगा लिया गया है: उन्होंने कहा, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, यह एक बहुत ही अराजक दृश्य था। मैं आपको बता सकता हूं कि प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि उस समय वाहन पार्किंग में था। अज्ञात कारणों से वह खिड़की के पास जा घुसा।

पत्नी से अवैध संबंध का शक, मेहमान को मारी कुल्हाड़ी

सिंगरौली की चितरंगी पुलिस ने आरोपी और उसके भाई को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साथ अवैध संबंध के शक में अपने ही घर में रुके मेहमान का सिर कुल्हाड़ी से काटकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी राम सुरेश भारती और उसके एक सहयोगी राधेश्याम भारती को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना 9 सितंबर की रात करीब 11 बजे की है, जब चितरंगी थाना प्रभारी सुरेश तिवारी को डायल 112 पर सूचना मिली कि राम सुरेश भारती के घर में एक चोर घुस आया है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने वहां राजेश बंसल नामक एक व्यक्ति को खून से लथपथ पाया। डायल 100 के चालक ने घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

शक और झगड़े में हुआ हमला: पुलिस की जांच में पता चला कि घायल राजेश बंसल दो दिन से आरोपी राम सुरेश भारती के घर पर रुका हुआ था। घटना की रात राम सुरेश अपनी पत्नी के साथ झगड़ा कर रहा था, तभी राजेश ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया।

आरोपी राम सुरेश को शक था कि राजेश का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है। उसने यह बात फोन पर अपने भाई राधेश्याम भारती को बताई, जिस पर राधेश्याम ने उसे राजेश को मार देने के लिए उकसाया। इसके बाद राम सुरेश ने राजेश बंसल के सिर पर कुल्हाड़ी से जोरदार हमला कर दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गया। घायल राजेश बंसल का इलाज बैढ़न के जिला अस्पताल में चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जिला अस्पताल में रोगी कल्याण समिति का घोटाला, 10 लाख का डीजल खर्च समेत कई अनियमितताओं की गठित टीम करेगी जांच

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिला अस्पताल सह ट्रॉमा सेंटर बैढ़न में रोगी कल्याण समिति की राशि में बड़ी अनियमितता सामने आई है। पिछले दो सालों में समिति के फंड में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई है। कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के निर्देश पर

सीएमएचओ ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित करने का आदेश दिया है। तत्कालीन सिविल सर्जन पर एक चहेते ऑपरेटर के माध्यम से फंड में गड़बड़ी करने का आरोप है।

जनरेटर में डीजल के नाम पर 10 लाख रुपए से अधिक खर्च: जांच में सामने आया है कि ऑपरेटर ने कई दुकानों के फर्जी बिल और वाउचर का इस्तेमाल किया। जनरेटर में डीजल के नाम पर 10 लाख रुपए से अधिक खर्च किए गए। इसके अलावा अस्पताल में इलेक्ट्रॉनिक सामग्री की खरीद, मरम्मत कार्य, फॉल सिलिंग और टीन शेड निर्माण में भी अनियमितताएं पाई गई हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पराज सिंह ठाकुर ने प्रभारी सिविल सर्जन को निर्देश दिया है कि वे जांच टीम गठित कर हर एंगल से जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। प्रभारी सिविल सर्जन ने कहा है कि जल्द ही जांच टीम का गठन किया जाएगा।

फर्जी दस्तावेजों से जमीन की खरीदी-बिक्री, कलेक्टर ने 5 रजिस्ट्री रद्द की; ई-पंजीयन सर्विस प्रोवाइडर का लाइसेंस भी निरस्त

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में जमीन की खरीद-फरोख्त में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट ने सख्त रुख अपनाते हुए 5 अलग-अलग रजिस्ट्री को तुरंत प्रभाव से निरस्त करने का आदेश दिया है। ये सभी पंजीयन फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर किए गए थे।

यह मामला बुढ़ार तहसील के गांव हड़हा से जुड़ा है, जहां खसरा नंबर 42 से 58 की जमीन पर राजा भांभानी बनाम हाईकोर्ट में एक केस चल रहा है। इसके बावजूद कुछ लोगों ने इस विवादित जमीन की खरीद-बिक्री कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए और उनका पंजीयन करा लिया।

शिकायत मिलने पर कलेक्टर ने जांच कराई, जिसमें यह बात साबित हो गई कि इन पंजीयनों में नियमों का उल्लंघन किया गया है।

कलेक्टर ने अपने आदेश में साफ कहा है कि मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (6-क) के तहत प्रतिबंधित जमीन की रजिस्ट्री किसी भी हाल में वैध नहीं मानी जा सकती। इन लोगों ने ना सिर्फ फर्जी दस्तावेज बनाए, बल्कि उन्हें ई-पंजीयन पोर्टल पर भी अपलोड कर दिया। यह सीधे तौर पर धोखाधड़ी है।

सोन वन्य अभयारण्य में नर घड़ियाल की मौत

चंबल से लाए गए मृत घड़ियाल का रेस्क्यू, 132 नवजात बच्चों की सुरक्षा चिंताजनक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के सोन घड़ियाल अभयारण्य में चंबल से लाए गए एक नर घड़ियाल की मौत हो गई है। यह घड़ियाल जोगदह घाट से तेज बहाव में बह गया था। विभागीय टीम ने चोपन क्षेत्र के अघोरी किला के पास से इसे रेस्क्यू किया। विशेष वाहन से अभयारण्य लाने के बाद इसकी मौत हो गई।

अभयारण्य में 5 मादा घड़ियालों से 132 बच्चों का जन्म: इस घटना ने वन विभाग और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अभयारण्य में 5 मादा घड़ियालों से 132 बच्चों का जन्म हुआ है। यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में घड़ियाल के बच्चे पैदा हुए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार घड़ियालों की विलुप्त होती प्रजाति को बचाना चुनौतीपूर्ण है। नवजात बच्चों में से मात्र 2 प्रतिशत ही जीवित रह पाते हैं। हैचरी सुविधा होने पर यह प्रतिशत बढ़ जाता है। चंबल में यह सुविधा उपलब्ध है। सोन घड़ियाल अभयारण्य में अभी तक हैचरी की व्यवस्था नहीं है। इससे नवजात बच्चों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बन गई है। वन विभाग ने जल्द ही यहां हैचरी स्थापित करने की योजना बनाई है। फिलहाल नर घड़ियाल की मृत्यु के कारणों की जांच की जा रही है।

रास्ता बंद होने से किसान वन विभाग सहित संबंधित कार्यालयों का लगा रहा चक्कर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनी (बुचांगड़ा) में वर्ष 1956 से निवासरत यादव परिवार को अब रास्ते के लिए दर-दर की ठोकर खानी पड़ रही है। बुचांगड़ा निवासी और भाजपा नेता रमाकांत यादव वन विभाग, तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय और अतरैला थाने का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कहीं से न्याय की उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

उन्होंने बताया कि उनके पूर्वज 1956 से यहां पर रह रहे हैं, जो वन क्षेत्र की जमीन है। इस रास्ते से हमेशा आना-जाना होता था, लेकिन अब आसपास के लोगों ने रास्ते में कटीले तार की बाड़ लगाकर रास्ता बंद कर दिया है। रास्ता बंद होने से उन्हें और उनके परिवार के लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसकी शिकायत वन विभाग को की गई, तो वन विभाग ने निरीक्षण कर बंद रास्ते को खोलने का लोगों से कहा। लेकिन जब रास्ता नहीं खुला, तो इसकी शिकायत अतरैला थाना में की गई, लेकिन वहां से भी कोई देखने तक नहीं पहुंचा। इस संबंध में थाना प्रभारी अतरैला का कहना है कि जब वन विभाग उन्हें बुलाएगा, तो वे साथ जाकर बंद रास्ते को खुलवाने की कार्रवाई करेंगे।

सवाल यह उठता है कि जब जमीन वन विभाग की है, तो वन क्षेत्राधिकारी की बातें ग्रामीण क्यों नहीं मान रहे हैं? रास्ते की समस्याओं को लेकर जब वन क्षेत्राधिकारी अभिवादन चौबे से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि जब भी वे निरीक्षण करने जाते हैं, तो ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता खुला है और खेती-बाड़ी बचाने के लिए तार की बाड़ लगाई गई है।

स्व. श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा में अडंगा द्वेषपूण, मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक अजय सिंह ने रीवा में नगर निगम द्वारा प्रस्तावित स्व. श्रीनिवास तिवारी जी की प्रतिमा स्थापना में पुलिस विभाग द्वारा अड़ंगा लगाए जाने को द्वेषपूर्ण बताते हुए इसकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे विन्ध्य की जनता का अपमान बताया है।

सिंह ने कहा कि 31 मार्च 2018 को सर्वसम्मति से नगर निगम परिषद, रीवा द्वारा स्व. तिवारी की प्रतिमा एसएएफ चौराहे पर लगाने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया था। 30 दिसंबर 2022 को इसके लिए विधिवत टेंडर जारी किया गया। कार्य आदेश 20 सितंबर 2023 को जारी होने के बाद नगर निगम द्वारा मांगे जाने पर विद्युत विभाग, सड़क विकास प्राधिकरण एवं लोक निर्माण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र तो जारी हुआ, लेकिन पुलिस विभाग द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र न दिए जाने के कारण कार्य रोक दिया गया है।

स्व. श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा का अनावरण उनके जन्म दिवस के अवसर पर आगामी 17 सितंबर को किया जाना है। नगर निगम द्वारा दस दिनों से एसएएफ चौराहे में स्टेच्यू लगाने का कार्य किया जा रहा था, परंतु पुलिस विभाग के अधिकारियों ने इस पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कार्य रोक दिया।

सास, सौतेली बेटी की हत्या में महिला को दोहरी उम्रकैद

फावड़े से किया था दोनों पर हमला; 26 गवाहों और 15 दस्तावेज़ों से साबित हुई दोषी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल के जय सिंह नगर न्यायालय ने सीधी थाना क्षेत्र के दरेन गांव में हुई दोहरी हत्या के एक सनसनीखेज मामले में आरोपी महिला उर्मिला को दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला गुरुवार को सुनाया गया।

जिला अभियोजन अधिकारी हरिओम कुसमाकर बैस ने बताया कि यह मामला जघन्य अपराध की श्रेणी में आता था। अभियोजन पक्ष ने आरोपी को दोषी साबित करने के लिए न्यायालय में 26 गवाह और 15 दस्तावेज़ों को पेश किया था।

अकसर तीनों के बीच विवाद होता था

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी उर्मिला अपनी सास सावित्री बाई और सौतेली बेटी लक्ष्मी के साथ रहती थी। अकसर इन तीनों के बीच विवाद होता रहता था।

17 जून 2019 की रात जब सावित्री और लक्ष्मी सो रही थीं, तब उर्मिला ने फावड़े से उन पर हमला कर दिया। उसने पहले सास सावित्री के सिर और गर्दन पर वार कर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद जब लक्ष्मी जाग गई और चिल्लाने लगी तो उस पर भी फावड़े से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया।

सबूत मिटाने की कोशिश

हत्या के बाद आरोपी ने सावित्री के शव को घसीटकर बाड़ी में गोबर के ढेर में छिपा दिया। लक्ष्मी के शव को उसने एक कथरी में लपेटकर बक्से में रखा और बाद में उसे पड़ोसी के कुएं में फेंक दिया। हत्या के बाद उसने सभी से कहा कि दोनों बिना बताए कहीं चले गए हैं।

चार दिन बाद 21 जून को जब एक पड़ोसी महिला गोबर फेंक रही थी, तो उसे तेज दुर्गंध आई और उसे गोबर के ढेर में एक शव मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान सावित्री के रूप में हुई। इसके बाद तलाश करने पर लक्ष्मी का शव भी कुएं से बरामद हुआ, जो पूरी तरह से सड़ चुका था।

पुलिस ने जांच और गवाहों के बयानों के आधार पर उर्मिला और उसके पति कामता उर्फ शंभू के खिलाफ हत्या और सबूत मिटाने का मामला दर्ज किया था। लंबी सुनवाई के बाद न्यायालय ने उर्मिला को दोषी मानते हुए उसे दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

22 और 23 अक्टूबर को जवा में दिव्यांग चिन्हांकन का लगाया जाएगा शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अमित पांडेय ने रीवा जिले के जवा जनपद पंचायत अंतर्गत सभी 80 ग्राम पंचायतों में दिव्यांग बच्चों के लिए चिन्हांकन शिविर लगाने की घोषणा की है। यह शिविर 22 अक्टूबर और 23 अक्टूबर 2025 को सीएफटी चौखंडी सहित जवा में आयोजित किया जाएगा।

इस शिविर का उद्देश्य उन छोटे बच्चों और दिव्यांग व्यक्तियों का चिन्हांकन करना है, जिनका अभी तक दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बना है। चिन्हित दिव्यांगों का प्रमाण पत्र 19 नवंबर 2025 को एक विशेष वितरण शिविर में प्रदान किया जाएगा। अमित पांडेय ने सभी से अपील की है कि इस जानकारी को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाएं और सभी ग्रुप में पोस्ट करें, ताकि कोई भी दिव्यांगजन इस अवसर से वंचित न रह जाए।

उन्होंने यह भी बताया कि इस शिविर में दिव्यांगों का चिन्हांकन किया जाएगा और दिव्यांगों के प्रमाण पत्र यूडी आईडी के रूप में बनाए जाएंगे। हालांकि, इस शिविर में दिव्यांग उपकरण वितरित नहीं किए जाएंगे। इस पहल से दिव्यांग व्यक्तियों को आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे वे विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

खराब बस को धक्का देकर स्कूल पहुंच रहे बच्चे, खटारा बस से बच्चे परेशान; बस में सुरक्षा के इंतजान तक नहीं

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बरगवां स्थित सदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्रों की सुरक्षा दांव पर लग रही है। स्कूल की बसें लगातार सड़क पर खराब हो जाती हैं। छात्रों को मजबूरन बस को धक्का देकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है।

स्कूल बसों में सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम नहीं हैं। खिड़कियों पर लोहे की जालियां नहीं लगी हैं। छात्र सिर बाहर निकालकर यात्रा करते हैं। बसों में ओवरलोडिंग की समस्या है। कई छात्र गेट पर खड़े होकर खतरनाक स्टंट करते हैं। नियम के विपरीत बसों में हेल्पर भी नहीं है।

विद्यालय के प्राचार्य रामकृष्ण शुक्ला ने बताया कि बस सेवा प्रदाता निर्मल बस सर्विस को कई बार शिकायत की गई। लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। अब वे इस मामले को जिला शिक्षा अधिकारी के संज्ञान में लाएंगे।

जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं। यदि वेंडर की लापरवाही सामने आती है, तो उसे तत्काल निलंबित कर दूसरी बस सेवा का इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों से बस को धक्का लगवाना पूरी तरह से अनुचित है।

नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर को

लोक अदालत समाज में सौहार्द और न्याय प्रियता की स्थापना का सशक्त माध्यम है : प्रधान जिला न्यायाधीश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर सीधी एवं तहसील मुख्यालय चुरहट, मझौली तथा रामपुर नैकिन में दिनांक 13 सितंबर 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर के द्वारा एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला न्यायाधीशगण मध्यस्थता केन्द्र के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर ने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक अदालत समाज के वंचित एवं कमजोर वर्ग के लिए न्याय प्राप्ति का सबसे सुलभ, त्वरित और किफायती साधन है। उन्होंने यह भी बताया कि लोक अदालत में निर्णय आपसी सहमति से होते है, जिनकी वैधता न्यायालय के निर्णय के समान होती है। प्रधान न्यायाधीश ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अधिक से अधिक वादों को लोक अदालत में प्रस्तुत करवाएं, ताकि पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिल सकें इसके साथ ही उन्होंने जागरूकता अभियान चलाने पर भी बल दिया, जिससे अधिकाधिक लोग लोक अदालत की उपयोगिता समझकर इसमें भाग ले सकें।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि राजस्व, विद्युत परिवहन, बैंकिंग, बीमा, श्रम, परिवार न्यायालय संबंधी विवादों के अतिरिक्त लंबित एवं प्री लिटिगेशन मामलों को भी बड़ी संख्या में लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जाएगा। अंत में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत समाज में सौहार्द और न्याय प्रियता की स्थापना का सशक्त माध्यम है और सभी संबंधित विभागों के सहयोग से इसे सफल बनाया जाएगा।

इस अवसर पर जिला न्यायालय सीधी में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश यतीन्द्र कुमार गुरू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुउर्मिला यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट मृदुल लटौरिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक साहू तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म. प्र.)

क्रमांक 3912/न.पा.नि./राजस्व/2023-24 रीवा, दिनांक 10/09/2025

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की व्यावसायिक योजना क्रमांक-7 यातायात नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित भूखण्ड क्रमांक S/211 क्षेत्रफल 12.72 वर्गमीटर वर्गफिट श्री रहमतउल्ला उर्फ दुलारे मिस्त्री पिता इब्राहिम को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, इनकी मृत्यु पश्चात, इस भूखण्ड का नामान्तरण श्रीमती मीना बानो पति स्व. श्री रहमतउल्ला उर्फ दुलारे मिस्त्री निवासी वार्ड 06 छोटी पुल के पास जय स्तंभ चौक रीवा मध्यप्रदेश के नाम किये जाने हेतु दिनांक 27.07.2023 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड क्रमांक S/211 के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदिका के आवेदन अनुसार उक्त भूखण्ड क्र. S/211 का नामान्तरण श्रीमती मीना बानो पति स्व. श्री रहमतउल्ला उर्फ दुलारे मिस्त्री निवासी वार्ड 06 छोटी पुल के पास जय स्तंभ चौक रीवा मध्यप्रदेश के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

कतर की राजधानी दोहा में इजरायली हवाई हमलों ने गाजा में संघर्ष विराम की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है, खासकर जब शांति वार्ता चल रही थी। इस कार्रवाई से अमेरिका भी हैरान है, क्योंकि उसे भरोसे में नहीं लिया गया था।

कतर की राजधानी दोहा में इजरायल के हवाई हमलों ने गाजा में संघर्ष विराम की उम्मीदों को धुंधला कर दिया है। ये हमले जितने अप्रत्याशित लगते हैं, उतने ही गैरजरूरी भी - खासकर जब शांति के लिए बातचीत चल रही हो। बड़ी बात कि इसके लिए अमेरिका को भी भरोसे में नहीं लिया गया था।

शांति प्रयासों पर चोट

संपादकीय

सकते में अमेरिका- इजरायल की कार्रवाई ने ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को गहरे असमंजस में डाल दिया है। कतर और इजरायल, दोनों ही वॉशिंगटन के करीबी सहयोगी हैं। हमास के साथ वार्ता में कतर मध्यस्थ की भूमिका निभाता रहा है। अब तक उसकी धरती पर सभी पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। जब इजरायली एयर स्ट्राइक हुई, उस वक्त भी हमास के टॉप लीडर मीटिंग के लिए वहां जुटे थे।

कतर बीच की कड़ी- कतर ने इस हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भले ही निशाना वह न हो, लेकिन इजरायल का हमला सीधे तौर पर उसकी संप्रभुता और उसके अधिकार क्षेत्र के खिलाफ था। अब देखने वाली बात होगी कि क्या कतर पहले की तरह हमास-इजरायल वार्ता में रुचि दिखाता है? कतर की भूमिका इसलिए अहम हो जाती है, क्योंकि उस पर सभी पक्षों को भरोसा है। पूरे संघर्ष के दौरान वह हमास और इजरायल के सीधे संपर्क में रहा है। उसके शांति प्रक्रिया से हटने पर बीच की कड़ी टूटने का डर है।

इजरायल पर अविश्वास- गाजा में जंग शुरू हुए दो साल होने को हैं और इस बीच ऐसे कई मोड़ आए, जहां लगा कि संघर्ष फैल सकता है। इजरायल ने पिछले साल सितंबर में लेबनान में हिज्बुल्लाह पर हमले किए थे। फिर इस साल जून में ईरान के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया। अब इस ताजा हमले ने उसके प्रति अविश्वास को और बढ़ा दिया है। इसके बाद यह सवाल और तीखा हो जाएगा कि नेतन्याहू क्या वाकई में शांति चाहते हैं?

लोगों पर संकट- शांति प्रक्रिया को किसी भी तरह का झटका लगता है, तो सबसे ज्यादा नुकसान होगा गाजा के लोगों का, जो भयावह मानवीय त्रासदी से जूझ रहे हैं।

कतर पर एयरस्ट्राइक से कुछ घंटों पहले ही इस्राइल ने गाजा को खाली करने की चेतावनी जारी की थी। इस्राइली सेना जमीनी स्तर पर बड़ा सैन्य अभियान चलाने की योजना बना रही है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसकी आलोचना हो रही है। ह ने चेताया है कि गाजा में पहले ही अकाल घोषित है, अब अगर वहां लड़ाई तेज होती है, तो आम लोग और भी गंभीर संकट में घिर जाएंगे।

गैर परंपरागत गणेश मूर्ति; बदलते स्वरूप के मायने क्या हैं

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

गणेश उत्सव भारतीय समाज का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है, जिसकी जड़ें संत लोकमान्य तिलक द्वारा किए गए जनजागरण आंदोलन से जुड़ी हैं। यह पर्व केवल आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि भारतीय एकता, परंपरा और सांस्कृतिक अस्मिता का जीवंत उदाहरण भी रहा है। किंतु वर्तमान समय में जिस प्रकार से गणेश मूर्तियों के स्वरूप में पारंपरिक शिल्प,आस्था और भारतीय सौंदर्यबोध की उपेक्षा कर विदेशी, विशेषकर चीनी डिज़ाइनों व आकृतियों को शामिल किया जा रहा है, वह चिंताजनक है।

पारंपरिक मूर्तिकला की अनदेखी प्राचीन काल से गणेश जी की मूर्तियाँ शास्त्रीय विधान, आकार-विन्यास और धार्मिक शुद्धता के अनुसार बनाई जाती रही हैं। उनका वाहन मूषक, चार भुजाएँ, हाथों में परशु, अंकुश, मोदक और वरमुद्रा - यह सब भारतीय परंपरा और पुराणों पर आधारित है। परंतु अब कई स्थानों पर गणेश जी को सुपरहीरो के रूप में, कार्टून पात्रों जैसे दिखाना, या उन्हें चीनी खिलौनों जैसी रंग-बिरंगी भंगिमा में प्रस्तुत करना एक प्रकार से उनकी महत्ता और गरिमा का अवमूल्यन है।

यह एक विचारणीय प्रश्न है कि क्या यह परिवर्तन केवल बाज़ारवाद का परिणाम है, या इसके पीछे सांस्कृतिक षड्यंत्र छिपा हुआ है। चीन जैसे देशों से आयातित सजावटी सामान, प्लास्टिक की मूर्तियाँ और कृत्रिम सजावट न केवल स्थानीय कारीगरों के रोजगार पर असर डाल रही हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान को भी क्षीण कर रही हैं। विदेशी शैली की मूर्तियाँ कहीं-न-कहीं आस्था को व्यावसायिकता में परिवर्तित कर रही हैं, और यही हमारे समाज में मानसिक व आध्यात्मिक दूरी का कारण बन सकता है।

गणेश जी केवल एक देवता नहीं, बल्कि विघ्नहर्ता, बुद्धि के दाता और लोकप्रिय देव हैं। उनकी मूर्ति का प्रत्येक भाग प्रतीकात्मक है, जिसे समझने और सम्मान देने की आवश्यकता है। जब उनके स्वरूप के साथ खिलवाड़ होता है, तो यह केवल मूर्ति का रूपांतरण नहीं, बल्कि जनमानस की आस्था और परंपरा पर आघात होता है। यह लोगों के बीच असंतोष, निंदा और विरोध का विषय बन चुका है, जो उचित ही है।

स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक शिल्पियों को प्रोत्साहन देकर प्राचीन शैली की मूर्तियाँ बनवानी चाहिए। गणेश उत्सव में स्वदेशी सामग्री व सजावट को अपनाना चाहिए ताकि हमारी संस्कृति सुरक्षित रह सके। समाज को यह समझाना जरूरी है कि मूर्तियों का पारंपरिक स्वरूप ही उनकी धार्मिकता को सार्थक बनाता है। ऐसी मूर्तियों के निर्माण और बिक्री पर निगरानी रखने की आवश्यकता है जो हमारी संस्कृति को दूषित करती हों।

गणेश उत्सव केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति है। आधुनिकता के नाम पर यदि हम अपने मूल स्वरूप से विचलित हो जाते हैं, तो यह केवल एक धार्मिक हानि नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पराजय भी होगी। अब समय आ गया है कि हम सजग हों, अपने त्योहारों की आत्मा को पहचानें और अपने बच्चों को भी पारंपरिक मूल्यों के साथ जोड़ें। विदेशी प्रतिरूपों की नकल करना आधुनिकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पराधीनता है। संकल्प लें पारंपरिक गणेश, स्वदेशी गणेश।गणेश उत्सव भारतीय संस्कृति का एक गौरवशाली पर्व है, जो न केवल धार्मिक श्रद्धा से जुड़ा है, बल्कि सांस्कृतिक एकता, कारीगरी की परंपरा और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक भी है। परंतु हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि गणेश जी की मूर्तियाँ पारंपरिक स्वरूप से हटकर बनाए जाने लगी हैं- कभी सुपरहीरो के रूप में, कभी कार्टून कैरेक्टर जैसे, तो कभी किसी विदेशी प्रेरणा से प्रभावित स्वरूप में। यह परिवर्तन न केवल धार्मिक रूप से आपत्तिजनक है, बल्कि एक व्यापक सांस्कृतिक विमर्श और विवाद का कारण भी बन गया है।

गणेश जी की पारंपरिक मूर्तियों में विशिष्ट धार्मिक व शास्त्रीय प्रतीक होते हैं। चार भुजाएँ - जिनमें से प्रत्येक में पाश, अंकुश, मोदक व वरमुद्रा होती है।सिर पर मुकुट और मस्तक पर त्रिनेत्र एवं गजमुख (हाथी का मुख) जो विवेक और बल का प्रतीक है।मूषक वाहन - विनम्रता और नियंत्रण का प्रतीक। त्रिपुंड और तिलक, साथ ही शांत और तेजस्वी मुद्रा। यह स्वरूप पुराणों, तांत्रिक शास्त्र। और शिल्प शास्त्रों में निर्धारित है, और सदियों से मूर्तिकार इसी रूप में गणेश जी की प्रतिमा गढ़ते आए हैं। गणेश जी का स्वरूप मात्र एक कला नहीं, बल्कि भारतीय जीवनदर्शन, प्रतीकवाद और आध्यात्मिकता का मूर्त रूप है।

पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दु :खों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी।

अनिश्चित भविष्य एवं आभासी दुनिया से दुःखी युवापीढ़ी

- ललित गर्ग -

लेकिन हाल के वैश्विक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबबे है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका और मध्यपूर्व जैसे 44 देशों के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आज की युवा पीढ़ी बुजुर्गों से भी अधिक कमजोर है। युवाओं की इस स्थिति के पीछे कई कारण बताए जाते हैं, जैसे रोजगार की असुरक्षा, भविष्य की अनिश्चितता, कार्यस्थलों का दबाव, प्रतिस्पर्धा का वातावरण और सबसे बड़ा कारक सोशल मीडिया का बढ़ता हस्तक्षेप। आभासी दुनिया युवाओं को बड़े सपने तो दिखाती है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाइयों से उनका सामना नहीं कराती। यही कारण है कि वास्तविक चुनौतियों से टकराते ही वे टूटने लगते हैं।

आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती। संवाद की जगह इमोजी ले लेते हैं और भावनाओं का स्थान कृत्रिम पोस्ट। परिणामस्वरूप वे वास्तविक सामाजिक जीवन से कटते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब इंसान अपने मित्रों, परिवार और समाज के साथ आमने-सामने संवाद करता है, तो तनाव कम होता है। कृतज्ञता का भाव मानसिक संतुलन को बनाए रखता है। परंतु डिजिटल आभामंडल में जीने वाला युवा जब अपनी तुलना लगातार दूसरों की सफलता और भौतिक समृद्धि से करता है, तो उसमें हीनभावना और निराशा जन्म लेती है। यही निराशा कई बार आक्रोश और हिंसा का रूप ले लेती है।

सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। यही गुस्सा कई बार सामाजिक अशांति, अपराध और दंगों के रूप में सामने आता है। यह वैश्विक ट्रेंड केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और विशेष रूप से नेपाल में हालिया परिदृश्य इसका उदाहरण है। नेपाल में पिछले महीनों हुए दंगे, हाल की युवाक्रांति और युवा आंदोलनों ने इस सच्चाई को सामने ला दिया कि निराशा से भरे युवाओं की ऊर्जा किस तरह हिंसा और अराजकता का रूप ले सकती है। नेपाल का इतिहास ही युवा आंदोलनों से भरा रहा है। राजतंत्र से लोकतंत्र और फिर लोकतांत्रिक अस्थिरता के बीच युवा हमेशा निर्णायक शक्ति रहे हैं। हाल ही में नेपाल में हुए दंगों और विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में भी युवा ही थे। नेपाल के युवा लंबे समय से बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। वहां की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा 30 वर्ष से कम आयु का है, लेकिन रोजगार और अवसरों की कमी उन्हें या तो प्रवासी मजदूरी की ओर धकेल रही है या फिर हिंसक आंदोलनों की ओर। सोशल मीडिया इस असंतोष को और हवा दे रहा है। एक तरफ वहां पर नई राजनीतिक चेतना के स्वर सुनाई देते हैं, दूसरी तरफ यह चेतना जब रचनात्मक दिशा नहीं पाती तो दंगे, हिंसा और अराजकता का रूप ले लेती है।

नेपाल के हालिया आंदोलन यह भी बताते हैं कि युवा सिर्फ रोजगार और आर्थिक अवसर ही नहीं चाहते, वे सामाजिक न्याय, ईमानदार एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन और राजनीतिक स्थिरता की भी मांग कर रहे हैं। लेकिन जब इन मांगों को अनसुना किया जाता है, तो वही आक्रोश सड़क पर हिंसा के रूप में फूट पड़ता है। यदि हम नेपाल की घटनाओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है। यह उस वैश्विक संकट की झलक है जिसमें पूरी दुनिया की युवा पीढ़ी फंसी हुई है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों में भी 2016 के बाद से चालीस वर्ष से कम उम्र के युवाओं में अवसाद और चिंता बढ़ी है। एशिया और अफ्रीका जैसे विकासशील देशों में रोजगार की असुरक्षा ने युवाओं को और हताश किया है। तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग ने श्रम आधारित रोजगार के अवसर सीमित कर दिए हैं। नेपाल उसी वैश्विक प्रवृत्ति का एक प्रतिरूप है जहां निराशा और तनाव ने हिंसा का रूप ले लिया है।

युवाओं के दुख, तनाव और हिंसा की प्रवृत्ति को केवल नीतियों या आर्थिक सुधारों से नहीं रोका जा सकता। इसके लिए बहुस्तरीय प्रयासों की जरूरत है। युवाओं को आभासी जीवन से बाहर लाने और वास्तविक संवाद व संबंधों की ओर प्रेरित करना होगा। सरकारों को युवाओं के लिए स्थायी और सुरक्षित रोजगार के अवसर सृजित करने होंगे। शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी केंद्रित करना जरूरी है। अवसाद और चिंता को कलंक की बजाय सामान्य समस्या मानकर परामर्श सेवाएं उपलब्ध करानी होंगी। युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी में लगाना होगा ताकि उनकी निराशा हिंसा की ओर न मुड़े। युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न करने होंगे।

युवा पीढ़ी किसी भी समाज का भविष्य होती है। लेकिन जब यही पीढ़ी दुख, तनाव और हिंसा के दुष्चक्र में फंस जाती है तो समाज का भविष्य ही संकटग्रस्त हो जाता है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण। यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है। नेपाल के हालिया दंगे इस खतरे की चेतावनी हैं। यह सिर्फ नेपाल का प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का प्रश्न है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को केवल सपने ही न दिखाएँ, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने का संबल दें। असीमित आकांक्षाओं और कठोर यथार्थ के बीच संतुलन स्थापित करना ही मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक शांति की कुंजी है। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो युवा आक्रोश न केवल दंगों और हिंसा का कारण बनेगा बल्कि पूरी सभ्यता की स्थिरता को चुनौती देगा एवं महाविनाश का कारण बनेगा।

विश्व धर्म संसद में ईसाई मिशनरियों को खुलेआम ललकारा था स्वामी विवेकानंद ने

अमेरिका निवासी मेरे प्यारे बहनों और भाइयों, 11 सितंबर 1893 को,विश्व धर्म संसद में जैसे ही स्वामी जी ने इस उद्बोधन के साथ अपना भाषण प्रारंभ किया,शिकागो के आर्ट इंस्टिट्यूट में उपस्थित विश्व के कोने-कोने से एकत्रित सभी धर्मों के 7000 प्रतिनिधि किसी अदृश्य शक्ति के आकर्षण से प्रेरित होकर स्वामी जी का सम्मान करने को खड़े हो गए। दो मिनट तक अनवरत तालियां बजती रही। शिकागो में 11 सितंबर 1893 से प्रारंभ होकर विश्व धर्म संसद 27 सितंबर 1893 तक लगातार 17 दिन चलती रही। इसमें से 6 दिन स्वामी जी ने अपना भाषण दिया। उनका महत्वपूर्ण भाषण 19 सितंबर और 20 सितंबर का रहा। यहाँ बहुत ही संक्षेप में उनके भाषण के कुछ अंश आपको बताते है -

(अतिवीर जैन पराग - विभूति फीचर्स)

उन्नीस सितंबर को स्वामी जी ने अपना भाषण हिंदू धर्म पर दिया। स्वामी जी ने अपने भाषण में कहा - ऐतिहासिक युग के पूर्व के केवल तीन ही धर्म आज संसार में विद्यमान है - हिंदू धर्म ,पारसी धर्म ,और यहूदी धर्म। ये तीन धर्म अनेकानेक प्रचंड आघातों के पश्चात भी लुप्त ना होकर आज भी जीवित है। यह उनकी आंतरिक शक्ति का प्रमाण है पर जहां हम यह देखते हैं कि यहूदी धर्म,ईसाई धर्म को नहीं पचा सका, वरन अपनी सर्व विजयी संतान ईसाई धर्म द्वारा अपने जन्म स्थान से निर्वासित कर दिया गया,और यह कि केवल मुट्ठीभर पारसी ही अपने महान धर्म की गाथा गाने के लिए अब अवशेष हैं। वहाँ भारत में एक के बाद एक अनेक धर्म पंथों का उद्भव हुआ और वे पंथ वेदप्रणीत धर्म को जड़ से हिलाते से प्रतीत हुए। पर भयंकर भूकंप के समय समुद्री किनारों की जल तरंगों के समान यह धर्म कुछ समय के लिए इसलिए पीछे हट गया कि वह तत्पश्चात हजार गुना अधिक बलशाली होकर सबको डुबाने वाली बाढ़ के रूप में लौट आए ,और जब यह सारा कोलाहल शांत हो गया,तब सारे धर्म संप्रदाय अपनी जन्म दात्री मूल हिंदू धर्म की विराट काया द्वारा आत्मसात कर लिए गए,पचा लिए गए।

बीस सितंबर को अपने भाषण में स्वामी जी ने ईसाई भारत के लिए क्या कर सकते हैं , पर बोलते हुए कहा - आप लोग अपने धर्म उपदेशक अन्य देशों में भेजकर मूर्ति पूजकों को अपने धर्म में लाने के लिए तो बड़े उत्सुक हैं , पर जो लोग अन्न बिना मर रहे हैं , उन्हें बचाने के लिए आप कोई उपाय क्यों नहीं करते ? भारतवर्ष में जब भयानक अकाल पड़ा था तो सहस्त्रों और लाखों हिंदू भूख से पीड़ित होकर मर गए , पर आप सब ईसाइयों ने उनके लिए कुछ नहीं किया द्य आप लोग सारे हिंदुस्तान में गिरजे बनाते हैं , पर मैं कहूं पूर्वीय देश में धर्म का अभाव नहीं है , उनके यहां तो वैसे ही आवश्यकता से अधिक धर्म हैं। वहाँ अभाव है रोटी का ,अन्न का। हिंदुस्तान के लाखों भूखे लोग सूखे गले से अन्न अन्न, रोटी रोटी, चिल्ला रहे हैं। वे तो हमसे अन्न मांगते हैं , और हम उन्हें देते हैं पत्थर। भूखों को धर्म का उपदेश देना उनका अनादर और तिरस्कार करना है।

स्वामी विवेकानंद का कहना था दुनिया क्या कहेगी ऐसा सोचना ही कमजोरी है , तुम्हें खुद जो अच्छा जान पड़ता है , वही करो ,जीवन का रहस्य यही है। उन्होंने आगे कहा पुराने धर्म में नास्तिक उसे कहते थे जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता था परंतु नया धर्म उसे नास्तिक कहता है जिसे स्वयं में विश्वास नहीं

इस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म सम्मेलन में भूखे लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने वाली ईसाई मिशनरियो को खुले आम दुत्कारने का साहस शिकागो में सात हजार विश्व प्रतिनिधियों के सामने किया। भारतीय संस्कृति का और धर्म का महत्व बताकर साबित किया कि भारत क्यों विश्व गुरु है। अगर आज के समय में स्वामी विवेकानंद ने ऐसा बोला होता तो हमारे देश में ही हजारों लोग उनके विरोध में खड़े हो गए होते। हमारी सरकारें और कानून धर्म परिवर्तन के इस षड्यंत्र को रोकने में नाकाम रहे है। स्वामी विवेकानंद कहते थे,उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत।

स्वामी विवेकानंद से प्रेरित होकर सन 1925 में डॉक्टर केशवराम बलिराम हेडगवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। इस वर्ष 100 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश के नागरिकों में राष्ट्र प्रेम की भावना और उनका समाज के प्रति दायित्व का भाव जगा रहा है । जिसके लिए देश के युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने का कार्यक्रम योग के माध्यम से निरंतर किया जा रहा है। स्वामी जी की तर्ज़ पर ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भी कहा है कि हिंदू समाज 1000 वर्षों से अधिक समय तक प्रताड़ित और युद्ध ग्रस्त रहा। विदेशी आक्रांताओं ने तमाम षड्यंत्र के द्वारा यहां के हिंदुओं का धर्म परिवर्तन किया। यहां के मंदिरों को उजाड़ा यह सब ऐतिहासिक तथ्य हैं। ऐसे में आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ही एकमात्र संगठन है, जो अपनी शिक्षाओं के माध्यम से देश में हिंदू समाज में जागृति ला सकता है , स्वामी विवेकानंद के सपनों को पूरा कर सकता है, और भारत को विश्व गुरु स्थापित कर सकता है।

संस्कारयुक्त शिक्षा ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती है: उप मुख्यमंत्री

शिक्षा जीवन भर सद्गुणों का फल देने वाला वृक्ष है: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने उत्कृष्ट मार्तण्ड उमावि क्रमांक एक में आयोजित समारोह में जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूटी का वितरण किया। समारोह में रीवा जिले के 177 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा ही विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। शिक्षा जीवन भर सद्गुणों का फल देने वाला वृक्ष है। विद्यार्थी जीवन के लिए सर्वोत्तम लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा के माध्यम से उसे प्राप्त करने का प्रयास करें। प्रयासों की असफलता दुगने उत्साह से प्रयास करने की प्रेरणा देती है। आज प्रदेश और देश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्वगुरू बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास का पूरा लाभ युवा पीढ़ी को ही मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थी अनुशासन और शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें। किसी भी स्थिति में नशे की राह में कदम आगे न बढ़ाएं। नशा ऐसा जहर है जो तन, मन और धन तीनों का विनाश कर देता है। युवा पीढ़ी यदि नशे की राह में चली गई तो हर तरह का विकास बेमानी हो जाएगा। विद्यार्थी अपनी ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों में उपयोग करें। अपने माता-पिता और गुरूजनों का मन से सम्मान करें। जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अपने अंदर जुनून पैदा करें। अच्छा कर्म और ज्ञान सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा का तेजी से विकास हो रहा है। चारों ओर फोरलेन सड़कें और रेलवे की सुविधा है। रीवा एयरपोर्ट से दो अक्टूबर से दिल्ली के लिए 72 सीटर हवाई जहाज की सुविधा शुरू हो रही है। इसके बाद रीवा से इंदौर के लिए भी 72 सीटर हवाई जहाज की सुविधा मिलेगी। इससे पूरे विन्ध्य क्षेत्र में पर्यटन का विकास होगा।

समारोह में पूर्व महापौर श्री वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि शिक्षा विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। सरकार विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटाप और स्कूटी प्रदान किए जा रहे हैं। छात्रावास और फीस में छूट जैसे लाभ भी दिए जा रहे हैं। सभी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर प्रदेश और देश के विकास में योगदान दें। समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए मेधावी विद्यार्थी योजना की जानकारी दी। समारोह में सहायक संचालक शिक्षा राजेश मिश्रा, विद्यालय के प्राचार्य जेपी जायसवाल तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर 333 मैट्रिक टन खाद का भंडारण, खाद की आपूर्ति बढ़ी; किसानों को बिना परेशानी मिल रहा यूरिया

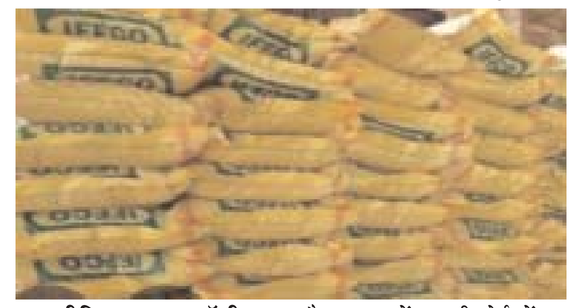

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में खाद की कमी से जूझ रहे किसानों को राहत मिली है। कलेक्टर संजय कुमार जैन की निगरानी में जिले में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाया गया है। कलेक्टर के निर्देश पर डबल लॉक मऊगंज में 133 मैट्रिक टन खाद पहुंची है। हनुमना में 200 मैट्रिक टन खाद का भंडारण किया गया है। ग्रामीण सेवा सहकारी समितियों में भी स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। विभिन्न समितियों में खाद का वितरण इस प्रकार है – कैलाशपुर में 3, बीरादेई में 1, शिवपुर में 12, बधवा में 5, भीर में 1, पटेहरा देवरा में 1, पाड़र में 1, झलवार में 4, पटपरा में 10 और बरहटा समिति में 23 मैट्रिक टन।

किसानों को बिना परेशानी मिल रही सुविधा: कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी किसान को परेशानी न हो। रोजाना की समीक्षा और मॉनिटरिंग से वितरण व्यवस्था सुचारू हो गई है। इन प्रयासों से जिले में खाद की कमी दूर हो गई है। किसान अब बिना रुकावट के खेती कर सकते हैं।

रीवा मऊगंज के 248 टॉपर्स को मिलेगी स्कूटी, सीएम के कार्यक्रम में होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के 92 छात्र, 97 छात्राएं और मऊगंज जिले के 27 छात्र एवं 32 छात्राएं पात्र विद्यार्थियों को आज स्कूटी मिलेगी। दोनों जगहों से 248 विद्यार्थियों में 119 बालक एवं 129 बालिका सम्मिलित हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल द्वारा सत्र 2024-25 में संचालित कक्षा 12वीं की परीक्षा में सरकारी स्कूल टॉपरों को स्कूटी का उपहार मिलने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव टॉपर विद्यार्थियों को स्कूटी का उपहार 11 सितम्बर को राजधानी भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में देंगे।

स्कूल टॉपरों के लिए लागू योजना का क्रियान्वयन प्रतिवर्ष होता है। कक्षा 12वीं के स्कूल टॉपर कालेजों में अध्ययनरत हैं। इनको शासन की योजना से लाभान्वित होने का रिजल्ट के बाद से ही इंतजार था, जो खत्म होने वाला है।

प्रत्येक शासकीय स्कूल के 12वीं टॉपर छात्र-छात्रा को स्कूटी मिलेगी। जहां को-एजुकेशन है वहां टॉपर एक बालक व एक बालिका को स्कूटी प्रदाय होगी। इन पात्र विद्यार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में स्कूटी वितरण कार्यक्रम के शुभारंभ के मौके पर राशि का अंतरण किया जाएगा।

शव ले जा रही एम्बुलेंस रोकने पर हंगामा, अस्पताल में सही इलाज न होने का आरोप; अधीक्षक बोले- परिजनों को व्यवस्थाओं की जानकारी नही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल परिसर में एक बच्चे के शव को एम्बुलेंस में ले जाने पर हंगामा खड़ा हो गया। बच्चे के परिवार ने अस्पताल में उचित इलाज न करने और एम्बुलेंस से शव को न ले जाने का आरोप लगाया है।

परिजनों का कहना है कि उन्होंने अपने बच्चे को उपचार के लिए पीडियाट्रिक विभाग में भर्ती कराया था, लेकिन वहां उसका ठीक से इलाज नहीं किया गया। इस लापरवाही के कारण बच्चे की मौत हो गई। जब वे बच्चे के शव को लेकर एम्बुलेंस से रामपुर बघेलान जा रहे थे, तभी अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों ने शव को एम्बुलेंस से नीचे उतार दिया। इस पर परिजन आक्रोशित हो गए और सुरक्षा कर्मियों के साथ तनाव की स्थिति बन गई।

परिजनों ने आरोप लगाया कि जब वे अपने बच्चे के शव को ले जा रहे थे, तो सुरक्षा कर्मियों ने न केवल उन्हें रोका, बल्कि उनके साथ अभद्रता भी की। इस घटना से अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया और अन्य लोग भी इस दृश्य को देखने के लिए इकट्ठा हो गए।

अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर राहुल मिश्रा ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अनाधिकृत एम्बुलेंस चालक ने 2000 रुपये की मांग करते हुए परिजनों की स्थिति का फायदा उठाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि जैसे ही प्रबंधन को इस बात की जानकारी मिली, उन्होंने बच्चे के शव को निजी एम्बुलेंस से वापस उतरवाया और अस्पताल में मौजूद शव वाहन से ले जाने की व्यवस्था की।

डॉक्टर मिश्रा ने यह भी कहा कि परिजनों को अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी नहीं है, नहीं तो वे ऐसे आरोप नहीं लगाते। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अस्पताल में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं और मरीजों के इलाज के लिए हर संभव प्रयास किए जाते हैं।

इस घटना ने अस्पताल की व्यवस्थाओं और मरीजों के इलाज पर गंभीर सवाल उठाए हैं। परिजनों ने उचित कार्रवाई की मांग की है और कहा है कि यदि अस्पताल में इस प्रकार की लापरवाही जारी रही, तो उन्हें आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

कुल मिलाकर, यह घटना न केवल अस्पताल की छवि को प्रभावित कर रही है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी सवाल उठा रही है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और कैसे इस स्थिति को सुधारता है।

संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेता विदर्भ का करेंगे दौरा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संयुक्त किसान मोर्चा के केंद्रीय नेता विदर्भ के विशेष दौरे पर जा रहे हैं, जो देश में सबसे ज़्यादा किसान आत्महत्याओं का केंद्र बन गया है। महाराष्ट्र में, खासकर विदर्भ में, किसानों की आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है। इसके अलावा, सरकार ने कपास आयात पर 11% शुल्क लगाया है, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत के कपास निर्यात पर 50% टैरिफ लगा दिया है। इन सभी कारणों से कपास किसानों पर बुरा असर पड़ेगा, जिससे आत्महत्याओं की संख्या बढ़ने की आशंका है।

केंद्र और राज्य सरकारें किसान आत्महत्याओं के मुद्दों और आत्महत्या करने वाले परिवारों की मदद को लगातार नज़रअंदाज़ कर रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में, संयुक्त किसान मोर्चा ने आत्महत्या करने वाले किसानों और कपास उत्पादकों के परिवारों से मिलने और उनकी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए इस दौरे का आयोजन किया है। दिल्ली में हुए ऐतिहासिक आंदोलन के दिग्गज किसान नेता पहली बार एक साथ महाराष्ट्र का दौरा कर रहे हैं। इस दौरे का आरंभ 17 सितंबर को वर्धा स्थित गांधी आश्रम से होगा। इसमें शामिल होंगे संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेता डॉ. अशोक धावले, विजू कृष्णन, राकेश टिकैत, युद्धवीर सिंह, पी. कृष्णप्रसाद, के.डी. सिंह, और अन्य प्रमुख किसान नेता।

साथ ही, पूरे महाराष्ट्र से प्रमुख किसान संगठनों के नेता भी इस दौरे में भाग लेंगे। दौरे के बाद, संयुक्त किसान मोर्चा आंदोलन की बड़ी रूपरेखा तैयार करेगा, जिससे किसानों की समस्याओं को और अधिक प्रभावी ढंग से उठाया जा सकेगा।

रीवा परिवहन विभाग की कार्रवाई, बिना परमिट चलते 9 ट्रकों को किया जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में परिवहन सुरक्षा स्क्वाड ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए हाल ही में विशेष चेकिंग अभियान के दौरान बिना परमिट संचालित हो रहे 9 ट्रकों को जप्त किया है। इनमें से सात वाहन कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश के थे, जो बिना परमिट चलते पाए गए। इन सभी वाहनों में मध्य प्रदेश का मोटरयान कर और परमिट नहीं पाया गया। यह कार्रवाई परिवहन आयुक्त, ग्वालियर और कलेक्टर, रीवा के आदेशानुसार, आरटीओ रीवा के निर्देशन में की गई। परिवहन विभाग ने सड़कों पर नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए चेकिंग अभियान चलाया, जिसमें

पाया गया कि ये 9 ट्रक बिना वैध परमिट के संचालित हो रहे थे। ये सभी ट्रक रीवा-मनगवा-रीवा गुढ़ मार्ग पर चलते हुए पाए गए।

इन ट्रकों पर मोटरयान कर (टैक्स) के रूप में लाखों रुपये बकाया थे। कार्रवाई के दौरान न केवल ट्रकों को जप्त किया गया, बल्कि संबंधित वाहन मालिकों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया। इन सभी वाहनों पर 16/3 के अधीन कार्रवाई की गई है। जब्त 5 वाहनों के प्रकरणों को वाहन स्वामियों द्वारा माननीय न्यायालय में आवेदन लगाया गया था, लेकिन वाहनों पर 16/3 के अधीन कार्रवाई के कारण माननीय न्यायालय रीवा ने प्रकरणों को परिवहन विभाग को वापस कर दिया। कुछ वाहन स्वामियों ने इस कार्रवाई के खिलाफ पुलिस थाना में जाकर झूठी शिकायतें भी की थीं, लेकिन शिकायतें झूठी होने के कारण वाहन स्वामी/चालकों को पुलिस थाने से खाली हाथ लौटना पड़ा।

निगम आयुक्त ने राजस्व वसूली पर ली समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने हाल ही में राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में उन्होंने 13 सितंबर को होने वाली नेशनल लोक अदालत में लक्ष्य अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने हेतु जोनवार तैयारियों की समीक्षा की। आयुक्त ने निर्देश दिए कि सभी बकाया करदाताओं को शुक्रवार तक नोटिस भेजना पूर्ण किया जाए। सभी जोन में बकायादारों से संपर्क कर और रिक्शा से मुनादी कराकर सूचना दें कि वे अपना बकाया कर लोक अदालत में निश्चित रूप से जमा करें, अन्यथा तालाबंदी एवं कुर्की की कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। कमर्शियल बकायादारों की सूची में शेष सभी से बकाया कर की वसूली सुनिश्चित की जाए। वार्डवार ऐसे बड़े बकायादार जो कर जमा नहीं कर रहे हैं, उनके नाम शहर में फ्लेक्स लगाकर प्रकाशित कराएं।

इसके अलावा, सरकारी विभागों से सेवा प्रभार वसूली के लिए लगातार संपर्क एवं पत्राचार किया जाए और इसमें तेजी लाई जाए। जलकर बकाया की वसूली लक्ष्य अनुरूप सुनिश्चित की जाए। लोक अदालत के बाद जिन उपभोक्ताओं द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की जाती है, उनके नल कनेक्शन काटने की कार्रवाई अभियान के रूप में की जाएगी।

सभी सहायक राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन वार्ड की वसूली 70 प्रतिशत से कम रहेगी, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, शीतल भलावी, सहायक राजस्व अधिकारी रावेन्द्र सिंह, नीलेश चतुर्वेदी, राजस्व निरीक्षक रविप्रकाश मिश्र एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

बिना अनुमति पोस्टर चिपकाने पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार, शहर में म.प्र. आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम 2017 को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। इसके तहत 11 सितम्बर को रतहरा बाईपास, आरटीओ ऑफिस के सामने बद्रिका हीरो मोटर्स द्वारा बिना पंजीकरण कराए कैनोपी लगाकर मोटरसाइकिल का प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। मौके पर कार्रवाई करते हुए 5000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही, समझाइस दी गई कि नगर निगम से अनुमति प्राप्त कर ही विज्ञापन किए जाएं, अन्यथा चलानी के साथ जब्ती की कार्रवाई भी की जाएगी।

उक्त कार्रवाई में सहायक आयुक्त शीतल भलावी के साथ अन्य कर्मचारी एवं अतिक्रमण अमला मौजूद रहा। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि शहर में अव्यवस्था न फैले और सभी विज्ञापन वैध तरीके से किए जाएं। इस प्रकार की कार्रवाई से शहर की छवि को बनाए रखने में मदद मिलेगी और नागरिकों को भी नियमों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

आत्मा गवर्निंग बोर्ड एवं जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आत्मा गवर्निंग बोर्ड एवं जिला स्तरीय निगरानी समिति (डी.एल.एम.सी.) की बैठक का आयोजन अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में अपर कलेक्टर द्वारा नरवाई प्रबंधन, फसल विविधीकरण, रसायन मुक्त खेती एवं जैविक टिकाऊ खेती के लिये निर्देशित किया गया।

उप संचालक कृषि यू.पी. बागरी द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाली गतिविधियों का प्राप्त लक्ष्यानुसार कियान्वयन हेतु समिति के सदस्यों के समक्ष पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में प्राकृतिक खेती अन्तर्गत जिला स्तरीय निगरानी समिति (डी.एल.एम.सी.) में जिले को प्राप्त लक्ष्यों के कियान्वयन जैसे कलस्टर गठन, कृषि सखी, जैव आदान संसाधन केन्द्र के संबंध में चर्चा उपरांत अनुमोदन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा खरीफ 2025 में धान कटाई पश्चात पराली प्रबंधन हेतु जिले की कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण किया गया। हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्मार्ट सीडर, हे-रेक, बेलर कृषि यंत्रों के उपयोग हेतु जानकारी साझा की गई तथा पराली के प्रबंधन हेतु अन्य विकल्पों जैसे वर्मीकम्पोस्ट, पशुओं हेतु चारा, साईलेज, ब्रिकेट, बायो-डी कम्पोजर के उपयोग पर चर्चा की गई। फसल अवशेषों के प्रभावी प्रबंधन हेतु ब्लॉक स्तर पर क्रियान्वयन समिति के गठन पर चर्चा हुई।

कार्यकम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजय पाण्डेय, डॉ. आर.पी. जोशी, बी.एस. सेंगर, उप संचालक अंजना सिंह, प्राचार्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केन्द्र संजय श्रीवास्तव, सहायक संचालक डॉ. सुरेश पटेल, मुनीश पटेल प्रगतिशील कृषक, गवर्निंग बोर्ड के सदस्य आत्मा परियोजना के समस्त बी.टी.एम.ए.टी.एम., एफ.पी.ओ. प्रतिनिधि, कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को 46 खण्डपीठों में होगी प्रकरणों की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। प्रकरणों की सुनवाई के लिए 46 खण्डपीठें गठित की गयी हैं। इनमें पीठासीन अधिकारी तथा सहयोग देने के लिए सुलहकर्ता सदस्य तैनात किये गये हैं। जिला न्यायालय परिसर रीवा के साथ-साथ तहसील न्यायालय सिरमौर, त्योंथर, मनगवां, मऊगंज एवं हनुमना में भी लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय रीवा में खण्डपीठ क्रमांक एक में न्यायाधीश असरफ अली, खण्डपीठ क्रमांक 2 में न्यायाधीश सुधीर सिंह राठौड, खण्डपीठ क्रमांक 3 में न्यायाधीश संदीप श्रीवास्तव, खण्डपीठ क्रमांक 4 में न्यायाधीश मोहित कुमार, खण्डपीठ क्रमांक 5 में न्यायाधीश आशीष कुमार शुक्ला, खण्डपीठ क्रमांक 6 में न्यायाधीश शरद कुमार गुप्ता तथा खण्डपीठ क्रमांक 7 में न्यायाधीश अनुज त्यागी को तैनात किया गया है। इसी तरह खण्डपीठ क्रमांक 8 में न्यायाधीश सुधीर सिंह ठाकुर, खण्डपीठ क्रमांक 9 में न्यायाधीश वारीन्द्र कुमार तिवारी, खण्डपीठ क्रमांक 10 में न्यायाधीश आशीर्वाद भिलाला, खण्डपीठ क्रमांक 11 में न्यायाधीश शशांक खरे, खण्डपीठ क्रमांक 12 में न्यायाधीश यशपाल सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 13 में न्यायाधीश संतोष कुमार तिवारी, खण्डपीठ क्रमांक 14 में न्यायाधीश अनु सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 15 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवानी शर्मा, खण्डपीठ क्रमांक 16 में वरिष्ठ खण्ड न्यायाधीश पन्ना नागेश प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। इसी प्रकार खण्डपीठ 17 में न्यायाधीश वरूण शर्मा, खण्डपीठ क्रमांक 18 में न्यायाधीश दयाल सिंह सूर्यवंशी, खण्डपीठ क्रमांक 19 में न्यायाधीश शैलेन्द्र रैकवार, खण्डपीठ क्रमांक 20 में न्यायाधीश आरती सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 21 में न्यायाधीश मुकेश कुमार कोरी, खण्डपीठ क्रमांक 22 में न्यायाधीश कंचन सैनिक, खण्डपीठ क्रमांक 23 में न्यायाधीश रश्मि बागरी, खण्डपीठ क्रमांक 24 में न्यायाधीश रंजीत भदकरिया, खण्डपीठ क्रमांक 25 मे प्रधान न्यायाधीश अविनाश चंद्र तिवारी, खण्डपीठ क्रमांक 26 में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम में अध्यक्ष सुदीप कुमार श्रीवास्तव, खण्डपीठ क्रमांक 27 में औद्योगिक न्यायालय में न्यायाधीश केके मिश्रा तथा खण्डपीठ क्रमांक 28 श्रम न्यायालय में न्यायाधीश अमित नगायच प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।

झाबुआ से जुड़ते दिख रहे धर्मांतरण मामले के तार

रतलाम के डॉक्टर को गुडवीन भेजता था रुपए, घर में ईसाई डॉक्यूमेंट मिले, आरोपी को जेल

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में इलाज के बहाने धर्म परिवर्तन के मामले में रिमांड पर चल रहे आरोपी विक्रम निनामा को बुधवार शाम कोर्ट ने जेल भेज दिया है। तीन दिन की रिमांड के दौरान पुलिस को उसके घर से ईसाई धर्म से जुड़े दस्तावेज, मोबाइल जब्त किए हैं। उसके बैंक खाते में झाबुआ के गुडवीन नामक व्यक्ति द्वारा हर महीने रुपए जमा कराता था। इसकी भी पुलिस जांच करेगी। पुलिस झाबुआ भी जाएगी।

5 सितंबर को थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत टैंकर रोड पर झोपड़ी में इलाज के बहाने धर्मांतरण की सूचना पर हिंदू संगठनों ने 4 लोगों को पकड़ा था। घर मालिक विक्रमसिंह निनामा मौके से भाग गया था। जिसे 7 सितंबर को पुलिस ने अरेस्ट कर तीन आरोपियों के साथ कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट से इसका एक दिन का रिमांड मिला था। बाद में कोर्ट ने 10 सितंबर तक का रिमांड बड़ा दिया था।

हर माह 4 से 5 हजार रुपए हो रहे थे जमा

तीन दिन के रिमांड में पुलिस को धर्मांतरण से जुड़े कुछ सुराग मिले है। आरोपी विक्रम के घर से ईसाई धर्म से जुड़े कुछ डॉक्यूमेंट व मोबाइल भी जब्त किया है। आरोपी विक्रम के रतलाम में दो बैंक खाते में है। एक बैंक खाते में झाबुआ से गुडवीन नामक व्यक्ति के खाते से हर माह 4 से 5 हजार रुपए जमा हो रहे थे।

रुपए जमा कराने को लेकर विक्रम ने ज्यादा कुछ पुलिस को नहीं बताया है। पुलिस को शक है कि धर्मांतरण के इस खेल में यह एक मात्र कड़ी नहीं है। प्रदेश के अलावा बाहरी राज्य के लोग इसमें शामिल है। पुलिस एक-एक कड़ी तक पहुंच कर अपनी जांच का दायरा बढ़ाएगी।

जांच अधिकारी थाना औद्योगिक क्षेत्र के सब इंस्पेक्टर ध्यानसिंह सोलंकी ने बताया रिमांड खत्म होने पर आरोपी को कोर्ट से 19 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बैंक खाते में हर माह रुपए जमा हो रहे थे। कुछ दस्तावेज भी मिले है। सारे पहलुओं की जांच की जा रही है।

मेडिकल कॉलेज से चल रहा था खेल

5 सितंबर को हिंदू संगठनों को मौके से बाइबल, क्रॉस भी मिला था। मौके पर पुलिस को बुलाया गया था। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों को काफी संख्या में जनजातीय लोग थे। जिनमें महिलाओं व बच्चों की संख्या अधिक थी। सभी यहां प्रार्थना व इलाज कराने के बहाने पहुंचे थे।

6 सितंबर की देर शाम पुलिस ने विरियाखेड़ी निवासी कैलाश पिता नाथुलाल निनामा की शिकायत 4 लोगों के खिलाफ मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3 व 5 के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया था।एक आरोपी बांसवाड़ा का था। एक रतलाम मेडिकल कॉलेज में पेरामेडिकल स्टाफ (नर्सिंग स्टूडेंट) है। मेडिकल कॉलेज में इलाज कराने आए फरियादी को ही नर्सिंग स्टूडेंट ने अपनी बातों में लेकर इलाज कराने के बहाने इसाई धर्म अपनाने का दबाव बनाया था।

इनके खिलाफ दर्ज हुआ था केस

जगदीश (30) पिता शम्भूलाल निनामा निवासी रिछखोरा थाना सरवन हाल मुकाम गंगासागर रतलाम। (नर्सिंग स्टूडेंट) मांगीलाल (35) पिता शंकरलाल निनामा साल निवासी सागवा थाना बिलकुंआ जिला बांसवाडा (राजस्थान) गुड्डु उर्फ गुड्डा (18 साल 07 माह) पिता बालू मईडा निवासी गेणी थाना शिवगढ जिला रतलाम। विक्रम सिंह (35) पिता शम्भूलाल उर्फ शम्भू निनामा निवासी रिछखोरा थाना सरवन हाल मुकाम शिव नगर रतलाम।

शराब पिलाकर गमछे से गला घोंटा, लाश नर्मदा में फेंकी; खंडवा में गांव का परिचित ही निकला हत्यारा

पुलिस ने 3 महीने इन्वेस्टिगेशन किया

खंडवा, एजेंसी। नर्मदा नदी में लाश मिलने के मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया हैं पुलिस ने करीब 3 महीने तक इन्वेस्टिगेशन किया और आरोपी तक पहुंची। जांच में सामने आया कि आरोपी ने पहले युवक को शराब पिलाई और फिर गमछे से उसका गला घोंट दिया। मौत के बाद उसकी लाश को नर्मदा नदी में फेंक दिया। शव मिलने पर पुलिस को डूबने से मौत की आशंका थी लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत होने की बात सामने आई तो पुलिस ने एक्शन लिया।

मामला खंडवा जिले में मोरटक्का चौकी क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार 26 जून को ग्राम कटार में निर्माणाधीन नेशनल हाईवे ब्रिज के पास एक व्यक्ति की लाश मिली थी, जिसकी पहचान 20 जून से लापता हुए खरगोन जिले के ग्राम बड़ूद निवासी सालकराम पिता किशोरीलाल तंवर (39) के रूप में हुई।

पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम कराया। युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। इसके बाद पीएम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत की बात सामने आई। पुलिस ने मामले को जांच में लिया और आरोपी की पहचान में जुट गई।

पुलिस इन्वेस्टिगेशन के दौरान पता चला कि सालकराम की हत्या करने वाला उसी के गांव का रहने वाला धनिया उर्फ धर्मेंद्र था। जिसने सालकराम को पुरानी रंजिश के कारण साथ में ले जाकर ज्यादा शराब पिलाई और फिर अपने गमछे से गला घोटकर नर्मदा नदी में फेंक दिया।

मांधाता टीआई अनोकसिंह सिंधिया ने बताया: फॉरेंसिक साक्ष्य सामने आने के बाद पुलिस ने 10 सितंबर बुधवार के दिन असल कायमी की। फिलहाल, आरोपी फरार है, जिसकी तलाश के लिए पुलिस ने प्रयास शुरू कर दिए है।

हाईस्कूल में जल्द शुरू होगा शौचालय निर्माण

कतरगांव, एजेंसी। हाईस्कूल में स्वच्छता अभियान के तहत नए शौचालय का निर्माण होगा। स्कूल के टूटे हुए पुराने शौचालय को तोड़कर नया शौचालय बनाने की दिशा में काम शुरू होगा। सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश पाटीदार, सचिव गोपीचंद मंसोरे व शिक्षकों की टीम ने स्थल निरीक्षण कर निर्माण की रूपरेखा तैयार की। इस हाईस्कूल में आसपास के कई गांवों के बच्चे पढ़ने आते हैं। शौचालय की स्थिति खराब होने से ये परेशान हो रहे थे। सरपंच प्रतिनिधि ने सचिव व शिक्षकों से चर्चा की। साथ ही जल्द काम शुरू कराने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने कहा गांव में हायर सेकंडरी स्कूल की स्थापना होनी चाहिए। शिक्षकों ने बताया हायर सेकंडरी के लिए आवेदन किया जा चुका है। मंजूरी मिलते ही हायर सेकंडरी की शुरुआत हो सकेगी। इससे बच्चों को पढ़ाई के लिए अन्य गांवों में जाना नहीं पड़ेगा।

आयुर्वेदिक शिविर में जांच और दवाएं मिलेंगी मुफ्त

सीहोर, एजेंसी। सीहोर 7 दिगंबर जैन समाज 18 से 23 सितंबर तक शहर में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर लगाएगा। शिविर का उद्देश्य लोगों को निशुल्क आयुर्वेदिक उपचार देना है। 18 और 19 सितंबर को संत निवास मेन रोड पर स्वर्ण प्राश की बूंद पिलाई जाएगी। 20 से 23 सितंबर तक शिविर स्वर्णकार धर्मशाला पोस्ट ऑफिस रोड पर चलेगा।

शिविर का आयोजन मुनिश्री अक्षय सागर जी महाराज की प्रेरणा और आशीर्वाद से हो रहा है। उनके सानिध्य में मरीजों की जांच और दवाइयां मुफ्त दी जाएंगी। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने

महाराज से आशीर्वाद लिया। मंत्री ने शिविर के लिए हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा, उनका उद्देश्य प्रदेश की जनता को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं देना है।

मुर्गी-बकरी, कुत्ते खाने वाला तेंदुआ जाएगा वन विहार

एसटीआर से बार-बार बाहर निकलकर रहवासी क्षेत्र में मचा रहा उत्पात, लगाए पिंजरे

नर्मदापुरम, एजेंसी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) का तेंदुआ जंगल से बार-बार बाहर निकलकर ग्रामीण क्षेत्र में उत्पात मचा रहा है। ग्रामीणों के मुर्गी, बकरी, कुत्तों और पालतू पशुओं को वो अपना शिकार बनाकर खा रहा है। करीब 3 महीने से एसटीआर का अमला इस तेंदुए को रेस्क्यू करने और छोड़ने में ही लगा हुआ है।

एसटीआर अब इस तेंदुए को वन विहार भेजने की तैयारी में लगा है। जिसके लिए धांसई के अलावा सातलदेही, केली में पिंजरा लगाया है। टीम ने तीन पिंजरे लगाएं है। लेकिन लालच पिंजरे में बंद बकरी के लालच में नहीं आ रहा है।

तेंदुए के मूवमेंट से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीण घर से

अकेले बाहर निकलने से डर रहे है। तेंदुआ पलभर में गांव में आकर बकरी, मुर्गी, कुत्तों को उठाकर ले जा रहा है।

गांवों में तेंदुए की दहशत, तीन बार पकड़ चुके: इस तेंदुए को 19 जून को पहली बार सिंघानामा के पास से पकड़ा गया था। चूरना के जंगल में छोड़ा गया। इसके बाद तेंदुआ जंगल से बाहर निकालकर 26 जुलाई को यह बासनिया गांव में एक ग्रामीण के घर की किचन में घुस गया था। जिसे वापस जंगल से भगाया गया।

कालर आईडी से मॉनिटरिंग, वन विहार भेजना जरूरी

तेंदुआ को पहली बार जंगल में छोड़ने के दौरान कालर आईडी उसे लगाई थी। तभी से उसकी पल पल की मॉनिटरिंग की जा रही है। फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया तेंदुए को दो बार पिंजरे में रेस्क्यू किया। घने जंगल में ऐसी जगह छोड़ा, जहां से वापस नहीं आ पाएं, बावजूद वो चलकर वापस ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच रहा है। मुर्गी, बकरी और कुत्तों को शिकार बना रहा है। जिससे उसकी सुरक्षा और ग्रामीणों की सुरक्षा की जिम्मेदारी है। इसलिए अब तेंदुए को वन विहार भेजने की अनुमति मिल गई है। हमने तीन पिंजरे भी लगाएं है। ग्रामीणों को भी रात में अकेले नहीं निकलने की सलाह दें रहे और अपने मवेशियों को घर के अंदर बांधने की सलाह दें रहे हैं।

बाद में 15 दिन बाद वहीं तेंदुआ फिर से नर्मदापुरम जिले के हिरणचापड़ा, खखरापुरा, सहेली समेत 7 गांवों में घूम रहा था। जो गांव के कुत्ते, बकरी, मुर्गे मुर्गियों का शिकार कर रहा था। तेंदुए की सात गांवों में दहशत थी। तीसरी बार 23अगस्त को खखरापुरा गांव के पास लगाए गए पिंजरे में तेंदुआ फंस गया था।दो माह में तीसरी बार पकड़ने पर उसे घने जंगल में ऐसी जगह छोड़ा था।

युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाई

70 फीसदी जला, बैतूल से भोपाल रेफर; पत्नी से विवाद के बाद आत्मदाह की कोशिश

बैतूल, एजेंसी। बैतूल में एक युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। वह 70 फीसदी तक झुलस गया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल से भोपाल रेफर किया गया है। घटना नंदीखेड़ा गांव में बुधवार देर रात की है। 35 वर्षीय रामरतन परते शराब पीने का आदि है। उसकी इस आदत से पत्नी से अक्सर विवाद होते रहता है। बुधवार को भी झगड़े के बाद रामरतन ने गुस्से में अपनी बाइक से पेट्रोल निकाला और खुद पर डालकर आग लगा ली।परिजनों ने तुरंत उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां रात करीब डेढ़ बजे उसे भर्ती किया गया। इसके तुरंत बाद भोपाल रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुद को आग लगाने की बात कबूली

टीआई रविकांत डहरिया ने बताया कि जिला अस्पताल में रामरतन के बयान दर्ज किए गए हैं, जिसमें उसने खुद ही पेट्रोल डालकर आग लगाने की बात कबूल की है। वहीं, पत्नी ने बताया कि दोनों के बीच किसी बात पर कहासुनी हुई थी, जिसके बाद उसने आत्मदाह का प्रयास किया। परिजनों ने बताया कि गुस्से में उसने घर में खड़ी बाइक से एक बोतल में पेट्रोल निकाला और खुद पर छिड़ककर लाइटर से आग लगा ली।

शहडोल में महिला के साथ ऑनलाइन गेमिंग ठगी

शहडोल,एजेंसी। शहडोल के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर 42 लाख रुपए की ठगी हुई है। पांडवनगर निवासी ममता बंसल को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर इन्वेस्टमेंट का लालच दिया गया था। ठगों ने शुरुआत में 1000 रुपए के इन्वेस्टमेंट पर 1500 रुपए का लाभ दिखाया। इस लालच में आकर ममता नामक महिला ने अपनी बचत के पैसे जमा करना शुरू कर दिए। उन्होंने चार बार बैंक जाकर कुल 42 लाख रुपए जमा कराए। यह पैसा उनके पिता की रिटायरमेंट की बचत का था। कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। शहडोल साइबर सेल प्रभारी सत्य प्रकाश मिश्रा ने बताया कि यह एक इन्वेस्टमेंट फ्रॉड है। टेलीग्राम ग्रुप में दिए गए सभी कॉन्टैक्ट नंबर फर्जी हैं। पुलिस ने लोगों को सचेत किया है कि वे ऐसे लालच में न आएं। कोतवाली पुलिस और साइबर टीम मिलकर मामले की जांच कर रही है।

जिला अस्पताल से कॉन्स्टेबल की रायफल लेकर भाग निकला कैदी

छतरपुर में गार्ड की जेब से चाबी चुराई, ताला खोला; 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में हत्या की कोशिश करने के ट्रायल का सामना कर रहा कैदी जिला अस्पताल से भाग निकला है। वह भागते वक्त सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी की रायफल भी ले गया। मामला बुधवार- गुरुवार की दरमियानी रात का है। एसपी अगम जैन ने अस्पताल में तैनात 4 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। देरी गांव का रहने वाला रविंद्र सिंह परिहार थाना ओरछा का हिस्ट्रीशीटर है।

पुलिस को उसकी तलाश थी। 18 नवंबर 2024 को मातगुवां थाना क्षेत्र के वेयरहाउस में पुलिस ने उसे घेर लिया था। रविंद्र ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दाहिने पैर में गोली मारकर रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया था। उसे जेल भेज दिया गया था।कोर्ट के आदेश पर 9 सितंबर को उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वारदात के वक्त वार्ड में तैनात पुलिसकर्मी सो रहे थे। इसी बीच रविंद्र ने एक गार्ड की जेब से चाबी निकाल ली। इससे ताला खोला। फिर एक पुलिसकर्मी की रायफल लेकर बाहर निकल गया।पुलिस फिलहाल अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। बताया गया है कि अस्पताल के नजदीक वाले छत्रसाल चौराहे पर लगे सीसीटीवी कैमरे पिछले दो महीने से बंद पड़े हैं।

रविंद्र के खिलाफ 13 अपराध दर्ज

2020 में रविंद्र सिंह के साथ गांव के कुछ लोगों ने मारपीट की थी। उसके हाथ-पैर और सिर में गंभीर चोट आई थी। शिकायत के बावजूद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। रविंद्र ने एसपी ऑफिस जाकर भी शिकायती आवेदन दिया था फिर भी पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया।

इसके बाद रविंद्र ने मारपीट करने वाले आरोपियों से बदला लेना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ 13 अपराध दर्ज किए थे। हत्या का प्रयास, अवैध हथियार रखना, मारपीट, वसूली सहित कई मामले में वह फरार चल रहा था। पुलिस गांव में उसे पकड़ने पहुंची तो वह फायरिंग कर भाग निकला। पुलिस ने उस पर 30 हजार का इनाम घोषित किया था।

पुलिस ने उसको संरक्षण देने के मामले में अजय सिंह चंदेल और उत्तम सिंह लोधी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। इसने रविंद्र के प्रीतमपुर में होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस 18 नवंबर 2024 को प्रीतमपुर पहुंची और रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाते वक्त रविंद्र ने पेशाब करने के बहाने मातगुवां थाना के पास गाड़ी रुकवाई।

दोस्त को दी थी जान से मारने की धमकी

देरी गांव में रहने वाली गुड्डी सिंह चंदेल ने बताया– मेरा बेटा वीरू सिंह चंदेल और रविंद्र दोस्त थे। किसी बात पर दोनों में लड़ाई हो गई। रविंद्र ने वीरू को जान से मारने की धमकी दी। वह फोन पर धमकाता था। घर के पास ही घूमता रहता था। कई बार उसने घर के बाहर फायरिंग भी की।गांव में उसकी इतनी दहशत है कि लोग उसे घर में छिपा लेते हैं। पूछने पर भी पुलिस को उसकी जानकारी नहीं देते। उसके भागने के बाद अब हम लोगों की जान का खतरा बढ़ गया है।

रात में SDOP की ड्यूटी, फिर भी भाग निकला

छतरपुर में रात्रि गश्त के लिए एसडीओपी स्तर के अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाती है। बुधवार–गुरुवार की रात लवकुशनगर एसडीओपी नवीन दुबे की ड्यूटी थी, इसके बावजूद अस्पताल से कैदी भाग निकला। मामले में प्रधान आरक्षक राकेश तिवारी, प्रधान आरक्षक पंकज, आरक्षक शिवम शर्मा और आरक्षक हरिश्चंद्र को सस्पेंड किया गया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सागर झील में पितरों का तर्पण, सुबह से ही घाट पर पहुंचते हैं लोग

सागर, एजेंसी। हिंदू धर्म शास्त्रों में पितरों का उद्धार करने के लिए पुत्र की अनिवार्यता मानी गई हैं। माता-पिता को मृत्यु के बाद लोग विस्मृत न कर दें। इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक के 16 दिनों को पितृपक्ष कहते हैं, जिसमें लोग अपने पूर्वजों की सेवा करते हैं।

पितृ पक्ष का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। इस साल पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हुई है। इस दौरान पितरों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान जैसे अनुष्ठान करने से उन्हें मुक्ति मिलती है।

मान्यता है कि इन दिनों में पितृ आते हैं और अपने परिवार को आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष को लेकर सागर की लाखा बंजारा झील (तालाब) पर बने घाटों पर लोग तर्पण करने के लिए पहुंच रहे हैं।

जहां पंडित दिनेश नारायण दुबे लोगों से उनके पूर्वजों के तर्पण की क्रिया करा रहे हैं। रोज सुबह से विधि-विधान के साथ सैकड़ों

पंडित बोलः इस क्रिया से पितरों को होती मोक्ष की प्राप्ति

की संख्या में लोग श्राद्ध और तर्पण कर रहे हैं। इसको आत्मा के मोक्ष और कुल की शांति का पर्व माना जाता है।

तर्पण से मिलता है पितरों को मोक्ष

पंडित बताते हैं कि यह 16 दिवसीय पितृ पक्ष पितरों को याद करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सबसे बड़ा अवसर होता है। पितृ पत्र में दादा-दादी, माता-पिता, नाना-नानी समेत अन्य पितरों के लिए तर्पण किया जाता है। इसके लिए कुशा से जल अर्पित किया जाता है।

साथ ही तिल्ली और दूध का उपयोग होता है। धार्मिक मान्यता है कि तर्पण से आकाश मार्ग से पितरों को मुक्ति प्राप्त होती है और और उन्हें मोक्ष मिलता है। साथ ही पितृ पक्ष केवल धार्मिक कर्तव्य ही नहीं है।

बल्कि यह परिवार की नई पीढ़ी के लिए सीख है। जब बच्चे देखते हैं कि उनके माता-पिता अपने पितरों का श्राद्ध और तर्पण कर रहे हैं तो उनमें भी यह परंपरा जीवित रहती है। परिवार में नई पीढ़ी धार्मिक होती है।

तीन पीढ़ियों से करा रहे तर्पण का कार्य

पुरव्याऊ टौरी निवासी पंडित दिनेश नारायण दुबे बताते हैं कि वह तीन पीढियों से तर्पण का कार्य करा रहे हैं। इस वर्ष भी तालाब में तर्पण की क्रिया विधि-विधान के साथ कराई जा रही है। पितरों का तर्पण करने से माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस क्रिया को करने से आगे आने वाली सात पीढ़ियां धार्मिक होती है। पितरों को मोक्ष प्राप्त होता है। प्रेत बाधा को दूर होती है।

विश्व चैंपियनशिप में सड़क पर होने वाले मुकाबले 30 मिनट पहले होंगे शुरू

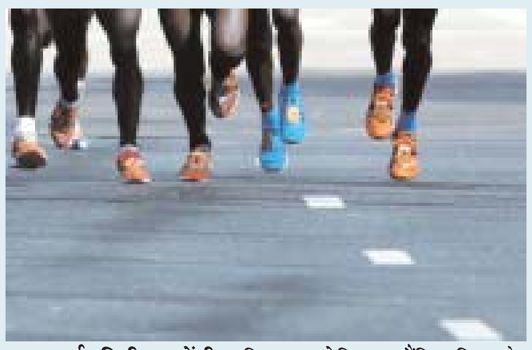

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के आयोजकों ने टोक्यो की गर्मी से बचने के लिए इस सप्ताहांत रेस वॉक और मैराथन स्पर्धाओं के प्रारंभ समय को 30 मिनट पहले सुबह 7:30 बजे (22:30 त्नस्न्न) कर दिया है। कई देशों की तरह जापान भी इस वर्ष अत्यधिक गर्म मौसम की मार झेल रहा। इस महीने अब तक टोक्यो में औसत तापमान 33 डिग्री सेल्सियस (91.4 डिग्री फारेनहाइट) रहा है, जो सितम्बर में उच्चतम रिकॉर्ड बनाने की ओर अग्रसर है। महानगरीय अग्निशमन विभाग के अनुसार पिछले महीने जापानी राजधानी में 3,300 से ज़्यादा लोगों को हीट स्ट्रोक के कारण अस्पताल ले जाया गया था। स्थानीय आयोजन समिति ने एक बयान में कहा कि विश्व चैंपियनशिप सितंबर के मध्य में होने वाली थी, जब टोक्यो में गर्मियों के मुकाबले तापमान कम रहने की उम्मीद थी, लेकिन इस साल तापमान मध्य गर्मियों के स्तर पर ही बना हुआ है। उन्होंने अपने इस फैसले के पीछे स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी जोखिम का हवाला दिया। बयान में कहा गया कि 2021 में महामारी के कारण विलंबित ओलंपिक खेलों में मैराथन स्पर्धा टोक्यो की गर्मी से बचने के लिए लगभग 800 किलोमीटर (500 मील) उत्तर में स्थित साप्पोरो में आयोजित की गई थी, हालाँकि दोनों शहरों में तापमान लगभग समान ही रहा। गुरुवार तक तीन दिवसीय सप्ताहांत में टोक्यो में अधिकतम तापमान 31-34 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है, जबकि 35 किलोमीटर पैदल चाल और मैराथन स्पर्धाएँ मूल रूप से सुबह 8 बजे शुरू होने वाली थीं। शनिवार को आर्द्रता 75 फीसदी दर्ज की गई। मैराथन के लिए एथलीटों को पानी पिलाने के लिए मार्ग में 185 जल स्टॉप स्थापित किए जायेंगे, जो टोक्यो खेलों के लिए निर्धारित संख्या से कहीं अधिक है। आयोजकों ने बताया कि शनिवार से शुरू होने वाली नौ दिवसीय चैंपियनशिप के दौरान अन्य जगहों पर गर्मी से बचाव के उपायों के लिए, स्टेडियम और वार्म-अप स्थल के आसपास एथलीटों और आगंतुकों के लिए विकिरण-रोधी शीतलन सामग्री वाले कपड़े से बने टेंट लगाए जायेंगे। स्वयंसेवकों और कर्मचारियों पर घड़ी जैसे उपकरणों से हीट स्ट्रोक की निगरानी की जाएगी, जो शरीर के मुख्य तापमान को मापते हैं और खतरनाक स्तर पर अलार्म बजाते हैं, जबकि चिकित्सा आपात स्थिति के लिए प्रथम प्रतिक्रिया दल स्टैंड पर गश्त करेंगे।

राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में मुरादाबाद के सात खिलाड़ियों ने पदक जीता

मुरादाबाद, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर में खेली गई राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में मुरादाबाद जनपद के सात खिलाड़ियों ने पदक जीता है। इन सभी खिलाड़ियों ने अगले महीने भोपाल में आयोजित होने वाली प्री नेशनल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। कोच अनामिका ने बताया कि शार्प शूटिंग अकादमी के कुल 26 निशानेबाजों ने इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था। जिसमें से सात खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में मेडल जीते हैं। मेडल जीतने वालों में कोच अनामिका भी शामिल हैं। जिन्होंने दस मीटर राइफल वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। इनके अलावा संतोष ने उत्तर प्रदेश सर्विस पुलिस कैटेगरी दस मीटर पिस्टल वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। वहीं प्रशंसा, अवनिका और संस्कृति ने सब यूथ कैटगरी दस मीटर पिस्टल वर्ग में सिल्वर और सौरभ कुमार ने 50 मी. राइफल वर्ग में ब्रांज मेडल जीता है। कोच अनामिका के अनुसार अनिकेत, अंश, अनुज, अर्पित, आशीष शर्मा, कर्णव, गौरव, सार्थक, मानसी, रुद्र, वंदना, मीमांसा, कुणाल, सैफान, राज, माही, किम्पी, मिरत्युन्जय, विराट, प्रशन्न, पूर्वी और यशवंत ने स्टेट लेवल को क्वालीफाई कर अगली प्रतियोगिता के लिए जगह पक्की कर ली।

कडल कोंडट्टम 2025:तूतीकोरिन में सजेगा भारत का सबसे बड़ा ओशन स्पोर्ट्स महोत्सव

तूतीकोरिन एजेंसी। भारत का बहुप्रतीक्षित ओशन स्पोर्ट्स फेस्टिवल – 'कडल कोंडट्टम 2025' – इस साल 12 से 14 सितंबर तक तमिलनाडु के तटीय शहर तूतीकोरिन में आयोजित होगा। यह तीन दिवसीय उत्सव समुद्री खेलों के रोमांच, अंतरराष्ट्रीय एथलीटों की भागीदारी और तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का शानदार संगम होगा। फेस्टिवल की प्रमुख स्पर्धाओं में स्टैंड-अप पैडलिंग, काइटबोर्डिंग, काइटसर्फिंग, कयाकिंग और बीच ऑब्स्टेकल रेस शामिल होंगी। पूर्व राष्ट्रीय काइटबोर्डिंग चैंपियन अर्जुन मोथा के नेतृत्व में और तमिलनाडु पर्यटन व राज्य सरकार के सहयोग से एक्वा आउटबैक द्वारा आयोजित यह महोत्सव भारत में ओशन-बेस्ड स्पोर्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक बनने जा रहा है।

वेयर ओसिन एडवेंचर मीट्स तमिल हेरिटेज टैगलाइन के साथ यह आयोजन न केवल खेलों का उत्सव होगा बल्कि तमिलनाडु को भारत का प्रमुख ओशन एडवेंचर डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी साबित होगा। इस आयोजन में भारत और विदेशों से 150 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। वियतनाम, श्रीलंका, मालदीव समेत कई देशों के खिलाड़ी भारतीय एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। वहीं, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, गोवा, आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी पदक की दौड़ में शामिल होंगे।

हर खेल में जूनियर, सीनियर और ओपन डिवीजन की पुरुष और महिला श्रेणियां होंगी, जिससे उभरती प्रतिभाओं से लेकर अनुभवी पेशेवरों तक सभी को समान अवसर मिलेगा। एक्वा आउटबैक के संस्थापक अर्जुन मोथा ने कहा,कडल कोंडट्टम सिर्फ खेल नहीं है, बल्कि हमारे महासागरों, हमारी संस्कृति और हमारे समुदाय का उत्सव है। हम चाहते हैं कि पूरी दुनिया तमिलनाडु को भारत के ओशन एडवेंचर के केंद्र के रूप में देखे। यह आयोजन नई पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरित करेगा, अंतरराष्ट्रीय सहभागिता को बढ़ाएगा और खेल, पर्यटन व सतत विकास के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करेगा।

'कडल कोंडट्टम 2025' केवल प्रतिस्पर्धी खेलों तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें आगंतुकों के लिए तमिलनाडु की पाक-परंपरा का परिचय कराने वाला कोस्टल फूड फेस्टिवल, सनसेट योगा सत्र, कैलिस्थेनिक्स और फिटनेस वर्कशॉप्स, बीच क्लीन-अप ड्राइव्स और ओशन अवेयरनेस प्रोग्राम्स भी आयोजित किए जाएंगे।

हांगकांग ओपनः सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, सेन का सामना प्रणय से

हांगकांग,एजेंसी। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को यहां थाईलैंड के पीराचाई सुकफुन और पक्कापोन तीरात्साकुल को हराकर 500,000 अमेरिकी डॉलर इनामी हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने पहले गेम में मिली हार के बाद वापसी करते हुए गैर-वरीय थाई जोड़ी को 63 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 21-15, 21-11 से हराया। पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाले विश्व नंबर 9 सात्विक और चिराग का अगला मुकाबला मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा। भारतीय जोड़ी की शुरुआत धीमी रही और पहले गेम में वे 8-11 से पीछे चल रही थीं, जबकि सुकफुन और तीरात्साकुल का दबदबा था। हालांकि, उन्होंने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 कर लिया, लेकिन थाई जोड़ी ने आखिरी तीन अंक हासिल कर पहला गेम अपने नाम कर लिया। भारतीयों ने दूसरे गेम में नए जोश के साथ खेला। 2-2 से 7-7 तक के कड़े मुकाबले के बाद उन्होंने मध्य-खेल ब्रेक तक 11-10 की बढ़त हासिल कर ली और लगातार बढ़त बनाते हुए मैच को निर्णायक गेम तक ले गए। तीसरा गेम एकतरफ़ा रहा, जिसमें सात्विक और चिराग ने 7-2 की बढ़त बनाई और फिर थाई जोड़ी के लड़खड़ाने पर बढ़त और बढ़ा दी। आज बाद में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय एक अखिल भारतीय मुकाबले में भिड़ेंगे, जबकि रुतपर्णा और श्वेतपर्णा पांडा की महिला युगल जोड़ी पाँचवीं वरीयता प्राप्त चीन की ली यी जिंग और लुओ जू मिन से भिड़ेगी।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025: पूजा रानी सेमीफाइनल में पहुंचीं, पदक पक्का

लिवरपूल, एजेंसी। अनुभवी भारतीय मुक्केबाज पूजा रानी पोलैंड की एमिलिया कोटेरस्का पर आसान जीत हासिल करके विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। इसी के साथ पूजा रानी ने एक पदक भी पक्का कर लिया है। अब सेमीफाइनल में पूजा का सामना स्थानीय मुक्केबाज़ एमिली एस्क्विथ से होगा।

पहले दौर में बाई पाने वाली 34 वर्षीय पूजा ने अपने अपार अनुभव का फायदा उठाते हुए बुधवार देर रात क्वार्टर फाइनल में युवा मुक्केबाज कोटेरस्का को 3-2 से हराया। 80 किग्रा भार वर्ग ओलंपिक से इतर है और इस प्रतियोगिता में 12 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। इस जीत के साथ दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा जैस्मीन लाम्बोरिया (57 किग्रा) और नुपुर श्योराण (80+ किग्रा) के साथ टूर्नामेंट के इस संस्करण में भारत के लिए पदक पक्के करने में सफल रहीं।

इस बीच, भारत के पुरुष अभियान को एक और झटका लगा जब अभिनाश जामवाल 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लाशा गुरुली से 1-4 के विभाजित निर्णय से हारकर बाहर हो गए। उनके बाहर होने के साथ पुरुष टीम में केवल जदुमणि सिंह (50 किग्रा) ही दौड़ में बचे हैं। अंतिम आठ चरण में उनका सामना मौजूदा विश्व चैंपियन कज़ाकिस्तान के संझार ताशकेनबे से होगा।

यह ताशकंद में हुए पिछले संस्करण की तुलना में भारी गिरावट है, जहां भारत के दीपक भोरिया (51 किग्रा), मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किग्रा) और निशान देव (71 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते थे। महिला टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में मेज़बान भारत ने चार स्वर्ण पदक जीते थे, जिसमें नीतू घनघस (48 किग्रा), निखत (50 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) तीनों ने अपने-अपने फाइनल जीते थे।

कार्डिफ़ टी20: बारिश से बाधित मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 14 रन से हराया

कार्डिफ़,एजेंसी। बारिश से प्रभावित पहले टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) विधि से इंग्लैंड पर 14 रन की जीत दर्ज की। मुकाबला दो घंटे की देरी से शुरू हुआ और इसे नौ ओवर का कर दिया गया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला लिया, लेकिन डेवाल्ड ब्रेविस, एडेन मार्करम और डोनोवन फरेरा की आतिशी बल्लेबाज़ी ने दक्षिण अफ्रीका को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया।

पहले ही ओवर में ल्यूक वुड ने रयान रिकेलटन को गोल्डन डक पर चलता किया। वुड ने अपने दूसरे ओवर में ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस को भी आउट कर मेज़बानों को शानदार शुरुआत दिलाई। हालांकि, मार्करम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए 14 गेंदों में 28 रन बनाए और पारी को रफ्तार दी। उन्हें 24 पर जीवनदान मिला लेकिन जल्द ही आदिल राशिद ने उन्हें पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद ब्रेविस ने लगातार तीन छक्के जड़े और फरेरा ने भी दो छक्कों के साथ रनगति तेज़ कर दी। 7.5 ओवर तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 97/5 था, तभी बारिश ने खेल रोक दिया। लगभग 50 मिनट बाद खेल दोबारा शुरू हुआ और इंग्लैंड को 5 ओवर में 69 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। लेकिन इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। कागिसो रबाडा ने पहली ही गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट कर दिया। कप्तान जोस बटलर ने कुछ आकर्षक शॉट्स लगाए और 25 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत की राह पर नहीं ले जा सके। हैरी ब्रूक बिना खाता खोले लौटे, जबकि जैकब बेथेल भी जल्दी आउट हो गए। अंतिम ओवर में इंग्लैंड को 26 रन चाहिए थे, लेकिन कोर्बिन बॉश ने टॉम बैंटन को बोल्ड कर मेज़बानों की उम्मीदें खत्म कर दीं। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने 3 मैचों की टी-20 सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली।

संक्षिप्त स्कोरकार्डः दक्षिण अफ्रीकाः 97/5, 7.5 ओवर में (एडेन मार्कराम 28, डोनोवन फरेरा 25*, ल्यूक वुड 2/22, आदिल राशिद 1/24)

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में पहली बार अम्पायर और रेफरी की जिम्मेदारी संभालेंगी महिलाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को महिला क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया। भारत में होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए पहली बार पूरी तरह महिला अम्पायर और मैच रेफरी पैनल की नियुक्ति की गई है। यह ऐतिहासिक फैसला इस ओर इशारा करता है कि अब टूर्नामेंट के सभी 31 मुकाबले महिला अम्पायर और महिला मैच रेफरी की देखरेख में खेले जाएंगे। आईसीसी ने इसे महिला क्रिकेट को सशक्त बनाने और खेल में लैंगिक समानता की दिशा में बड़ा कदम बताया है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने एक आधिकारिक बयान में इसे महिला क्रिकेट के विकास का अहम पड़ाव बताते हुए कहा, यह महिला क्रिकेट की यात्रा का ऐतिहासिक क्षण है। महिला अधिकारियों की यह नियुक्ति केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि अवसर, दृश्यता और प्रेरणा देने का माध्यम है। यह आने वाली पीढ़ियों को दिखाएगा कि नेतृत्व और प्रभाव का कोई लिंग नहीं होता। भारत में होने वाला यह 13वां महिला क्रिकेट विश्व कप 33 दिनों तक खेला जाएगा, जिसमें 8 टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। पूरी तरह महिला अम्पायर और रेफरी की नियुक्ति से यह टूर्नामेंट खेल इतिहास में एक प्रेरणादायी मिसाल बनेगा।

18 सदस्यीय पैनल घोषित : आईसीसी ने कुल 14 महिला अम्पायर और 4 महिला मैच रेफरी के नाम घोषित किए हैं। इनमें क्लेयर पोलोसाक, जैकलीन विलियम्स और सू रेडफर्न, जो तीसरी बार महिला विश्व कप में अंपायरिंग करेंगी। इसके अलावा लॉरेन एगेनबैग और किम कॉटन भी पैनल का हिस्सा हैं। इन दोनों ने 2022 विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग की थी। इसके अलावा ट्रूडी एंडरसन, शांद्रे फ्रिट्ज़, जीएस लक्ष्मी और मिशेल पेरेरा को मैच रेफरी चुना गया है।

कंधे की चोट के कारण भारत दौरे से बाहर हुए ऑलराउंडर एरॉन हार्डी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑलराउंडर एरॉन हार्डी कंधे की चोट के कारण भारत दौरे से बाहर हो गए हैं। हार्डी की जगह विक्टोरिया के ऑलराउंडर विल सदरलैंड को टीम में शामिल किया गया है। सदरलैंड पहले से ही वनडे टीम का हिस्सा थे और अब वे दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए लखनऊ पहुंचेंगे। हार्डी की जगह वनडे टीम में किसी और खिलाड़ी का चयन बाद में किया जाएगा। हार्डी के शुरुआती शेफ़ील्ड शील्ड मुकाबलों तक फिट होने की उम्मीद है। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया का पहला मैच 4 अक्टूबर को वाका मैदान पर न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ होगा। हार्डी हाल ही में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज़ का हिस्सा रहे थे। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्हें न्यूजीलैंड के छोटे दौरे (तीन टी20) के लिए नहीं चुना गया था, बल्कि ए टीम में शामिल किया गया था। उनके फिटनेस पर निर्भर करेगा कि वे भारत के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज़ में वापसी कर पाएंगे या नहीं। टक्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार ने बुधवार को बताया कि प्रतियोगिता में कुनाल सिंह ने 95 किग्रा, अभय कुमार ने 48 किग्रा और कुंवर सुश्रुत गौतम ने 95 किग्रा भारवर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। जबकि आशय वर्मा ने 75 किग्रा भारवर्ग में रजत पदक अपने नाम किया है। पदक विजेता सभी खिलाड़ियों को आज नेता जी सुभाष चन्द्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहुंचने पर उत्तर प्रदेश ओलम्पिक संघ के संयुक्त सचिव डॉ. अजय पाठक और क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार ने सम्मानित किया है जहां वे खुलकर खेल सकें, न कि अपनी सोच में उलझकर रह जाएं। मुझे टैलेंट का दबे रहना पसंद नहीं, इंग्लैंड को चाहिए कि उनके युवा प्लेयर्स का टैलेंट दुनिया के सामने आए।

हार्डी का बाहर होना ऑस्ट्रेलिया के लिए परेशानी बढ़ाता है क्योंकि कई तेज गेंदबाज पहले ही चोटिल हैं। कप्तान पैट कमिंस की पीठ की चोट ने उनकी एशेज में उपलब्धता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हार्डी के टीममेट लांस मॉरिस पीठ की सर्जरी के चलते 12 महीने के लिए बाहर हो गए हैं, जबकि युवा तेज गेंदबाज कैलम विडलर को स्ट्रेस फैक्चर हुआ है। मॉरिस चार दिवसीय मैचों में खेलते, जबकि विडलर वनडे स्क्वॉड का हिस्सा थे। मॉरिस की जगह आए ब्रॉडी काउच भी चोटिल हो गए और अब उनकी जगह साउथ ऑस्ट्रेलिया के हेनरी थॉर्नटन को बुलाया गया है। भारत ए के खिलाफ पहला चार दिवसीय मैच 16 सितंबर से और दूसरा 23 सितंबर से खेला जाएगा। इसके बाद कानपुर में 30 सितंबर, 3 और 5 अक्टूबर को तीन वनडे मुकाबले होंगे।

अपडेटेड ऑस्ट्रेलिया ए चार दिवसीय टीम : ज़ेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, जैक एडवर्ड्स, कैंपबेल केलावे, सैम कॉन्स्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओ'नील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचिओली, लियाम स्कॉट, विल सदरलैंड (दूसरे मैच से), हेनरी थॉर्नटन।

अपडेटेड ऑस्ट्रेलिया ए वनडे टीम : कूपर कॉनॉली, हैरी डिक्सन, जैक एडवर्ड्स, सैम एलियट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैकेंज़ी हार्वे, टॉड मर्फी, तनवीर संगा, लियाम स्कॉट, लैकी शॉ, टॉम स्ट्रेकर, विल सदरलैंड, हेनरी थॉर्नटन (एक खिलाड़ी और जोड़ा जाएगा)।

रजत महोत्सव : जगदलपुर विधायक और महापौर ने किया मेधावी छात्राओं को समानित

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार में बिटिया सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बालिकाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण इस कार्यक्रम में जगदलपुर के विधायक किरण देव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना की कल्पना को साकार करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को सम्मानित करना और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाना था। विधायक देव ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में मातृशक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हमारी बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के साथ नए आयाम गढ़ रही हैं। उन्होंने बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पर आधारित नुक्कड़ नाटक की सराहना की और जोर देकर कहा कि बाल विवाह एक कानूनी अपराध है, जो भविष्य को अंधकारमय बना देता है। महापौर संजय पांडे ने विभाग को बधाई देते हुए कहा, आज देश की मातृशक्ति हर क्षेत्र में आगे है। नारी शक्ति राष्ट्र शक्ति है। कार्यक्रम में सभी ने बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसमें बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, साथ ही स्वास्थ्य जांच शिविर और विभागीय प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि किरण देव, महापौर संजय पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी स्टॉलों का अवलोकन किया और महिलाओं से चर्चा की। इस अवसर पर जिले की दसवीं और बारहवीं कक्षा की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पानीग्राही, सुरेश गुप्ता, त्रिवेणी रंघारी, श्वेता बघेल, पार्षद आशा साहू, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज सिन्हा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

बिना हेलमेट और सीट बेल्ट जिला कार्यालय आने वालों को लौटाया गया वापस

जशपुरनगर, एजेंसी। सड़क सुरक्षा को लेकर कलेक्टर रोहित व्यास ने सख्त रवैया दिखाते हुए बुधवार को जिला कार्यालय में नियमों के पालन को लेकर कार्रवाई की गई। जहां जिला कार्यालय में बिना हेलमेट और सीटबेल्ट के आने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कार्य हेतु आने वाले नागरिकों को दुपहिया वाहनों में हेलमेट एवं चार पहिया वाहनों में सीटबेल्ट लगाने की समझाइश देकर वापस लौटा गया। इस मौके पर जिला सेनानी नगर सेना विपिन किशोर लकड़ा ने भी जिला कार्यालय के मुख्य द्वार पर खड़े होकर लोगों को समझाइश दी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर रोहित व्यास के द्वारा सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिसके लिए उन्होंने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक एवं समय सीमा बैठक में समस्त विभाग प्रमुखों तथा अधिकारियों को अपने कार्यालयों में कर्मचारियों को बिना हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रवेश ना देने को निर्देश दिया गया है। आज प्रथम दिवस पर समझाइश देकर लोगों को हेलमेट पहनने को प्रेरित किया गया है पर आगामी दिनों में लगातार जांच कर लाइसेंस, गाड़ी के कागजात, हेलमेट, सीटबेल्ट, इंश्योरेंस आदि ना होने पर नियमानुसार जुर्माना लगाने का कार्यवाही भी की जाएगी। कलेक्टर ने विभाग प्रमुखों को भी सभी को प्रेरित करने के लिए सर्वप्रथम स्वयं सड़क सुरक्षा मानकों का पालन कर सीटबेल्ट एवं हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने को कहा है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : लोहंडीगुड़ा में किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत महोत्सव के उपलक्ष्य में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोहंडीगुड़ा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य राज्य की 25वीं वर्षगांठ मनाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। शिविर में स्थानीय लोगों, स्वास्थ्य कर्मियों और स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान के इस पुनीत कार्य में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहयोग दिया। यह शिविर न केवल राज्य के रजत महोत्सव का हिस्सा था, बल्कि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी भी थी, जिसका पालन करना सभी का कर्तव्य है। स्थानीय प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके इस योगदान से कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी। इस तरह के आयोजनों से समुदाय में परोपकार की भावना बढ़ती है और स्वास्थ्य सेवाएँ भी मजबूत होती हैं।

IED ब्लास्ट में 2 जवान घायल इलाज के लिए रायपुर रेफर

दंतेवाड़ा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में IED की चपेट में आने से दो जवान घायल हो गए। दोनों जवानों के प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर एयरलिफ्ट किया गया है। नक्सल विरोधी अभियान के तहत जवान सर्चिंग पर निकले थे इसी दौरान सातधार पुल से करीब यह हादसा हुआ है। दंतेवाड़ा स्क्रगौरव रॉय ने मामले की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, 195वीं बटालियन की कंपनी मालेवाही और सातधार के बीच नक्सल विरोधी अभियान के तहत एरिया डोमिनेशन के लिए निकली थी। इसी दौरान जवान नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गए। घायलों में इंस्पेक्टर दीवान सिंह गुर्जर और आरक्षक आलम मुनेश शामिल हैं।

इलाज के लिए रायपुर किया गया रेफर:दोनों को पहले जिला अस्पताल दंतेवाड़ा में भर्ती किया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर एयरलिफ्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि, जवान गश्त पर निकले थे इसी दौरान यह हादसा हुआ है।

श्री रामलला दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का दल हुआ रवाना

धमतरी, एजेंसी। श्री रामलला दर्शन के लिए जिले से श्रद्धालुओं का दल आज 10 सितंबर को रवाना हुआ। महापौर श्री रामू रोहरा और अध्यक्ष जनपद अंगीरा ध्रुव ने सुबह जनपद पंचायत परिसर से तीर्थ यात्रियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) में श्री रामलला के दर्शन करेंगे। महापौर श्री रोहरा ने सभी यात्री श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। इस अवसर अध्यक्ष जनपद पंचायत, धमतरी अंगीरा ध्रुव, उपाध्यक्ष केशव राम साहू, जनपद सदस्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जनपद सहित पंचायत और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित थे।' 'राज्य शासन द्वारा राज्य के राम भक्तों के लिए निःशुल्क अयोध्या धाम में श्रीराम के दर्शन हेतु श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत की गई है । ट्रेन के माध्यम से प्रत्येक जिलों से चयन कर उन्हें रामलला के दर्शन हेतु ले जाया जा रहा है। इस तरह की योजनाएं न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें उन स्थलों का अनुभव करने का मौका भी देती हैं जिन्हें वे सामान्यतः आर्थिक कारणों से नहीं देख पाते।'

श्रद्धालुओं ने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि इस योजना से हम लोगों का श्रीराम के दर्शन करने का सपना पूरा हो रहा है। बता दें कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत् श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां रहने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एक्सपर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा।

जिले में रजत जयंती पर स्वास्थ्य सुरक्षा का तोहफ़ा, सैकड़ों हितग्राहियों को मिला आयुष्मान व वय वंदन कार्ड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में रजत जयंती उत्सव के उपरांत स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा 70 हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड का वितरण किया गया। इसी कड़ी में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत जिलेभर में बड़े पैमाने पर आयुष्मान कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें सैकड़ों हितग्राहियों को योजना का लाभ प्रदान किया गया। ग्राम पंचायत रतनपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 4 हितग्राही, ग्राम पंचायत उधनापुर उप स्वास्थ्य केंद्र में 5 हितग्राही, जिला चिकित्सालय चिरमिरी में 5 हितग्राही, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां में 3 हितग्राही, आयुष्मान आरोग्य मंदिर घुटरा में 3 हितग्राही, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलबहरा में 5 हितग्राही, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महाई में 5 हितग्राही, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेंड्री में 4 हितग्राही, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरगा में 5 हितग्राही, आयुष्मान आरोग्य मंदिर लाई में 5 हितग्राही, कोठारी में 4, बिहारपुर में 5, डिहुली में 3, परसगढ़ी में 5, सिरौली में 3 और कठौतिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड दिए गए।

नारायणपुर में 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में एक तरफ जहां सुरक्षा बल और पुलिस के जवान नक्सलियों को मुठभेड़ में ढेर कर रहे है तो दूसरी तरफ माओवादी अपनी संभावित मौत के डर से आत्मसमर्पण भी कर रहे है। इस बीच नारायणपुर से एक और बड़ी खबर निकलकर सामने आई है। यहां पुलिस के सामने 16 नक्सलियों ने हथियार डाले है। सरेंडर करने वालों में मिलिशिया डिप्टी कमांडर, जनताना सरकार सदस्य और नक्सलियों के न्याय शाखा का अध्यक्ष भी शामिल है। इस समर्पण के बाद पुलिस ने बताया कि, सरेंडर करें वाले नक्सलियों को तात्कालिक तौर पर 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि सौंपी गई है। वही सभी नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत रोजगार, आवास और समुचित सुरक्षा भी मुहैय्या कराई जाएगी।

स्लीपर सेल की तरह करते थे काम:इन माओवादियों का पद ओहदे में छोटा होता है लेकिन ये नक्सलवाद को पोषित करने के लिए अहम किरदार निभाते हैं ये माओवादी लड़ाकू माओवादी नक्सलियों के लिए राशन और मेडिसन जैसे मूलभूत सामग्री उपलब्ध कराने का काम अवैतनिक तरीके से करते थे। कभी-कभी नक्सलियों के हथियार और सामग्रियों का परिवहन और आईईडी लगाने, फोर्स मूवमेंट कि सूचना देने और फोर्स की रेकी करने जैसे कार्य प्रमुखता से करते हैं। स्पष्ट शब्दों में कहें तो ये नक्सलियों के लिए स्लीपर सेल की तरह भी काम करते थे। बात करें 2025 में आत्मसमर्पण की तो इस साल 164 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके है। इनमे बड़े नक्सल लीडर से लेकर छोटे सदस्य शामिल है। कई सरेंडर करें वाले नक्सलियों ने बताया कि उनके साथी भी हथियार छोड़ने का मन बना चुके है लेकिन माओवादी पार्टी के बड़े नेताओं के डर से वे जंगलों से बाहर नहीं आ पा रहे है।

मुख्यधारा से जुड़ने की अपील:एसपी रोबिनसन गुरिया ने कहा कि, अबूझमाड़ दुर्गम जंगल और विकट भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले मूल निवासियों को नक्सलवादी विचारधारा से बचाना और उन्हें माओवादी सिद्धांतो के आकर्षण से बाहर निकालना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। ताकि क्षेत्र में विकास और शांति कायम हो सके। हम सभी नक्सली भाई-बहनों से अपील करते हैं कि उनका बाहरी लोगों की भ्रामक बातों और विचारधारा को त्याग कर शासन की आत्म समर्पण पुर्नवास नीति को अपनाएं।

मनेन्द्रगढ़ में आयुष स्वास्थ्य जागरुकता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'हर दिन हर घर आयुर्वेद' अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (नीला ड्रेस), मनेन्द्रगढ़ में आयुष स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला आयुष अधिकारी निशांत अग्रवाल के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्राओं को आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धतियों, पोषण, स्वच्छता और मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी दी गई।

वन अतिक्रमण रोकने बम्हनी क्षेत्र में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

कोंडागांव, एजेंसी। जिले में वन भूमि पर अतिक्रमण के बते मामलों को देखते हुए वन विभाग द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी की में वन परिक्षेत्र नारंगी अंतर्गत उप परिक्षेत्र बम्हनी में एक विशेष भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में कोंडागांव जनपद उपाध्यक्ष, ग्राम पंचायत बम्हनी के सरपंच, समस्त ग्रामवासी तथा वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। भ्रमण दल में परिक्षेत्र सहायक बम्हनी, परिसर प्रभारी बम्हनी, परिसर रक्षक चमई, कारसिंग, परिसर प्रभारी हंगवा, एवं भीरागांव के परिसर रक्षक उपस्थित रहे। परिसर बम्हनी के अंतर्गत आने वाले त्थ/840 और त्थ/841 और च्थ/871 क्षेत्रों में दल द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को वन भूमि के महत्व, अतिक्रमण की कानूनी गंभीरता, एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को वन क्षेत्र की सीमा, उसकी रक्षा एवं उसमें किसी भी प्रकार के गैरकानूनी अतिक्रमण से बचने के प्रति सजग करना है। संयुक्त वन मंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में कोंडागांव दक्षिण वन मंडल की यह कार्रवाई, वन क्षेत्र की सुरक्षा एवं संरक्षित भूमि को बचाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वन विभाग द्वारा यह कहा गया है कि ऐसे निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे और यदि कहीं अतिक्रमण पाया गया, तो आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने नशा मुक्ति केंद्र और सखी सेंटर में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पॉलिटेक्निक सहित आंगनबी केंद्र और छात्रावास का किया निरीक्षण

कोण्डागांव, एजेंसी। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने आज कोंडागांव विकासखंड अंतर्गत विभिन्न शासकीय कार्यालयों और संस्थानों का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंच कर वहां शैक्षणिक गतिविधियों, संचालित विषयों और और छात्र छात्राओं की सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने क्लास रूम में विद्यार्थियों से संवाद किया और दुरस्थ गांवों से आने वाले छात्राओं के लिए वैकल्पिक आवासीय भवन की व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ ही यहां से निकलने वाले विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्लेसमेंट कैंप आयोजित करने को कहा।

कलेक्टर ने चाइल्ड लाइन का किया निरीक्षण : कलेक्टर ने सखी वन स्टॉप सेंटर में भी व्यवस्थाओं को देखा और बेहतर काउंसलिंग और देखभाल के साथ सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था हेतु होमगार्ड की संख्या ब?ाने, साफ सफाई, पर्याप्त विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु संस्था के कर्मियों को निर्देशित किया। इसके पश्चात उन्होंने बालक कल्याण समिति और चाइल्ड लाइन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चाइल्ड लाइन हेल्पलाइन में अब तक प्राप्त शिकायत की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए 108 या 102 वाहन उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में एम्बुलेंस के संचालन हेतु हेल्पलाइन जारी करने को कहा। साथ ही उन्होंने विभागीय योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर पन्ना ने बनियागाँव स्थित नशामुक्ति केंद्र का भी जायजा लिया और समाज कल्याण विभाग के अधिकारी से नशे पीतिों के इलाज की स्थिति के साथ आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी ली और किचन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र परिसर में एक पे? मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बनियागाँव के अनुसूचित जनजाति प्री मेट्रिक बालक छात्रावास में आवासीय व्यवस्था और बच्चों को दी जा रही भोजन की जानकारी ली। उन्होंने निर्धारित मेन्यू के अनुसार बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। साथ ही छात्रावास के पीछे किचन गार्डन को सुव्यवस्थित ढंग से विकसित करने और हरी सब्जियां, फलदार पौधे लगाने की कहा। उन्होंने बनियागाँव में ही आदर्श आंगनबाी केंद्र का भी निरीक्षण किया और बच्चों को सिखाई जा रही विभिन्न गतिविधियों से अवगत हुए। साथ ही आंगनबा?ी कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि बच्चों को साफ सफाई के आदतें अवश्य सिखाएं। साथ ही उनके स्वास्थ्य की निगरानी भी करते रहें और संतुलित पोषण आहार देना भी सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम अजय उरांव, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अवनी बिस्वाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा